आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

लोकसभा चुनाव 2024

7वां चरण

मुख्यमंत्री योगी ने डाला वोट

आत्मनिर्भर भारत-विकसित भारत के निर्माण के लिए आप सभी मतदान अवश्य करें।

उत्तर प्रदेश की 13 लोकसभा सीटों पर मतदान

मोदी-योगी के गढ़ में आखिरी रण

1 बजे तक 39.31 प्रतिशत हुआ मतदान

महराजगंज सीट पर 42.29 %	बलिया सीट पर 38.04 %
गोरखपुर सीट पर 35.39 %	गाजीपुर सीट पर 38.75 %
कुशीनगर सीट पर 40.22 %	चंदौली सीट पर 42.17 %
देवरिया सीट पर 39.44 %	वाराणसी सीट पर 39.35 %
बांसगांव सीट पर 37.74 %	मिर्जापुर सीट पर 41.55 %
घोसी सीट पर 38.30 %	राबर्ट्सगंज सीट पर 38.44 %
सलेमपुर सीट पर 37.49 %	

चुनाव ड्यूटी में लगे 11 मतदानकर्मियों की मौत

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव-2024 के सातवें और आखिरी चरण के लिए आज मतदान हो रहा है।

अंतिम चरण 7 राज्य और एक केंद्र शासित प्रदेश की एक लोकसभा सीट पर वोटिंग जारी है। सभी सीटों पर 4 जून को नतीजे घोषित किए जाएंगे। इससे पहले सभी की नजर एग्जिट पोल पर लगी हैं। शाम 5 बजे के बाद एग्जिट पोल के नतीजे आने लगेंगे। लोकसभा चुनाव-2024 के सातवें चरण में उत्तर प्रदेश की 13 लोकसभा सीटों पर मतदान हो रहा है। मोदी-योगी के गढ़ में होने वाली निर्णायक लड़ाई पर सभी की निगाहें लगी हुई हैं।

सातवें चरण में उत्तर प्रदेश के महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव, घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मीरजापुर और (शेष पृष्ठ-3 पर)

मतदान का बहिष्कार

सोनभद्र जिले के जुगैल में नेटवर्क नहीं तो वोट नहीं के साथ ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया। ओबरा विधानसभा के इस क्षेत्र में आज तक मोबाइल नेटवर्क नहीं पहुंच पाया है। लोग पेड़ और पहाड़ पर चढ़कर फोन से बात करते हैं। बार-बार शिकायत के बाद भी समस्या का हल न होने पर ग्रामीणों ने इस बार मतदान बहिष्कार किया है। एसडीएम मनाने पहुंचे थे, लेकिन अभी ग्रामीण नहीं माने हैं।

सुरक्षाकर्मियों की बिगड़ी तबीयत

वाराणसी के पंचायत भवन मंडुवाडीह पर चुनाव ड्यूटी में लगे होमगार्ड धर्मेश कुमार वर्मा, सलोनी रायबरेली और कांस्टेबल अमित कुमार निवासी हापुड़ की अचानक तबीयत खराब हो गई। आनन-फानन उन्हें एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया।

हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत प्रबिलासपुर जिले के चुवाड़ी मतदान केंद्र में, अस्वस्थ होने के बावजूद, विमला शर्मा ने ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ आकर मतदान किया।

ध्यान-साधना का दूसरा दिन

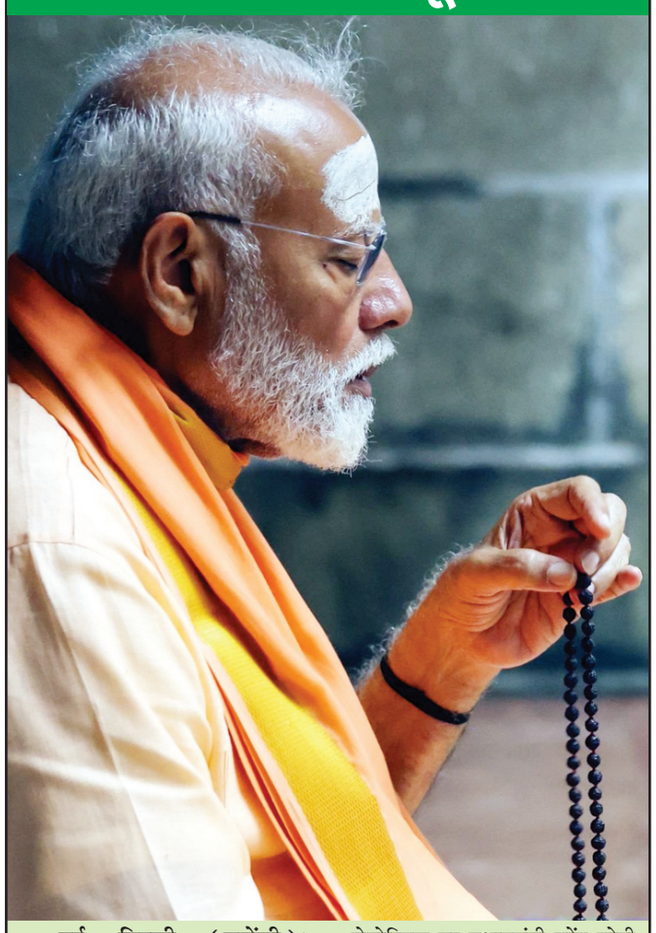

नई दिल्ली (एजेंसी)। कन्याकुमारी में विवेकानंद रॉक मेमोरियल में पीएम मोदी की 'ध्यान साधना' जारी है. विवेकानंद रॉक मेमोरियल में पीएम मोदी ने गुरुवार शाम करीब 6 बजकर 45 मिनट पर ध्यान शुरू किया जो 1 जून की शाम तक जारी रहेगा। पीएम मोदी उसी शिला पर बैठकर ध्यान कर रहे हैं जिस शिला पर विवेकानंद ने ध्यान किया था।

कन्याकुमारी के विवेकानंद रॉक मेमोरियल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की साधना का आज दूसरा दिन है. इसको लेकर अधिकारियों ने बताया कि पीएम मोदी ने शनिवार को सूर्योदय के दौरान सूर्य अर्घ्य देने के बाद अपने ध्यान के दूसरे और अंतिम दिन की शुरुआत की। पीएम ने दोपहर 1.30 बजे अपना ध्यान समाप्त किया जिसके बाद वो तिरुवल्लुवर की प्रतिमा पर जाएंगे और वापस लौटने के बाद तमिल कवि को श्रद्धांजलि देंगे। (शेष -3 पर)

बुजुर्ग ने पारिवारिक विवाद में की आत्महत्या

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में थाना इंदिरापुरम क्षेत्र में स्थित सेक्टर-16 में शुक्रवार देर रात एक वृद्ध ने पारिवारिक क्लेश के चलते आत्महत्या कर ली। जांच के दौरान पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है।

मृतक का नाम प्रवीण कुमार सिंह है।।वह एक सरकारी बैंक से रिटायर कर्मचारी थे। मृतक प्रवीण कुमार अपनी पत्नी और बच्चों के साथ थाना इंदिरापुरम क्षेत्र के सेक्टर -16 में रहते हैं। शुक्रवार की काफी देर तक सुबह कमरे से बाहर नहीं आए तो परिवारवालों को चिंता हुई। पत्नी ने कई बार दरवाजा भी खटखटाया लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आई। शक होने पर उन्होंने अपने देवर प्रकाश को फोन कर बुलाया। प्रकाश ने जब खिड़की से अंदर देखा तो बुजुर्ग प्रवीन कुमार चुन्नी से फंदा बनाकर पंखे पर लटके हुए थे। मृतक प्रवीण के परिवार वालों ने डॉयल-112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारा। जांच के दौरान पुलिस को कमरे से एक डायरी मिली है। डायरी में एक सुसाइड नोट मिला है जिसमें पत्नी और बच्चों से विवाद की बात लिखी है। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि मृतक प्रवीण ने पहले भी आपसी विवाद से परेशान होकर पुलिस से संपर्क किया था पर कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई थी। मृतक प्रवीण के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

सीईओ व एसीईओ ने भी दिया हरित नोएडा-स्वच्छ नोएडा का संदेश

सेक्टर-62 रामलीला पार्क में चलाया गया प्लगिंग अभियान

नोएडा (चेतना मंच)। हरित नोएडा, स्वच्छ नोएडा के नारे के साथ नोएडा प्राधिकरण द्वारा शुरू हुआ स्वच्छता अभियान आज शनिवार को भी सेक्टर-62 के रामलीला ग्राउंड में चलाया गया। खास बात है कि आज के अभियान में नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डा. लोकेश एम तथा एसीईओ वंदना त्रिपाठी भी मौजूद थीं तथा उन्होंने पार्क से कूड़ा उठाकर बैग में एकत्रित किया।

आज सेक्टर-62 रामलीला ग्राउंड में प्लगिंग अभियान चलाया गया। इसके तहत फेनरवा, डीडीआरडब्ल्यूए, फेनरवा, (शेष पृष्ठ-3 पर)

आज इंडी ब्लॉक की बैठक, लखनऊ से अखिलेश रवाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी इंडी ब्लॉक के घटक दलों के नेता लोकसभा चुनाव में अपने प्रदर्शन का आकलन करने के साथ-साथ चुनाव परिणाम से पहले अपनी रणनीति बनाने के लिए आज एक बैठक करने जा रहे हैं. इस बैठक में आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल भी शिरकत करेंगे, जिन्हें 2 जून को सरेंडर करना है. सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव भी इस बैठक में हिस्सा लेने के लिए लखनऊ से दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। आज शाम को कांग्रेस अध्यक्ष एम खड़गे के घर होने वाली इस अहम बैठक में केजरीवाल, पंजाब के सीएम भगवंत मान और आप सांसद संजय सिंह के साथ शामिल होंगे। पंजाब में मतदान प्रक्रिया का जिम्मा संभालने के बाद सीएम मान दिल्ली पहुंचेंगे. हालांकि, मतदान में अपने शीर्ष नेताओं की व्यस्तता के चलते तृणमूल कांग्रेस इस बैठक में हिस्सा नहीं ले सकेगी। उनके अलावा तमिलनाडु के सीएम स्टालिन भी बैठक में हिस्सा नहीं ले सकेंगे और उनकी जगह आज टीआर बालू बैठक में हिस्सा लेंगे।

'3.50 लाख के अधिक अंतर से होगी डा. महेश शर्मा की जीत'

नोएडा (चेतना मंच)। इस बार लोकसभा चुनाव में जहां

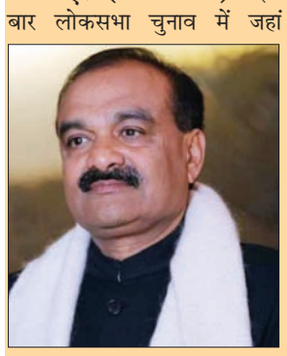

एनडीए तकरीबन 400 का आंकड़ा छूने को बेताब है। वहीं गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट में भाजपा के प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा 3.50 लाख के अधिक अंतर से चुनाव जीतेंगे। यह दावा किया वरिष्ठ भाजपा नेता तथा समाजसेवी आलोक वत्स ने। पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय न्यूज़ चैनलों के पैनल चर्चा में भाजपा का पक्ष प्रमुखता से रखने वाले आलोक वत्स का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकास कार्यों तथा जनकल्याणकारी नीतियों के कारण हर वर्ग का भाजपा को पूरा समर्थन तथा आशीर्वाद मिला है। 4 जून को उसके परिणाम भी देखने को मिलेंगे। तीसरी बार देश में एनडीए की सरकार बनेगी तथा नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। (शेष -3 पर)

एमिटी में आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का उद्घाटन आज शाम

बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे डॉ. योगानंद शास्त्री

नोएडा (चेतना मंच)। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान युवा शक्ति को संस्कारित करने के लिए 'विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर' का भव्य आयोजन शिक्षाविद् डॉ.अमिता चौहान व डॉ.अशोक कुमार चौहान के सानिध्य में शनिवार 1 जून से रविवार 9 जून 2024 तक एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 44, नोएडा में किया जा रहा है। शिविर में 250 युवकों को योगासन,लाठी, बाक्सिंग, जूडो कराटे आदि आत्मरक्षा शिक्षण दिया जायेगा। साथ ही वैदिक विद्वानों द्वारा आर्य संस्कृति की जानकारी दी जाएगी।

परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने बताया कि शिविर का उद्घाटन शनिवार 1 जून 2024 को शाम 5.00 बजे होगा जिसमें दिल्ली विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. योगानंद शास्त्री (शेष पृष्ठ-3 पर)

सलमान पर हमला करने की थी साजिश

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को लगातार खतरा बना हुआ है। उन पर एक बार

फिर से हमला करने की साजिश रची जा रही थी। हालांकि, मुंबई पुलिस ने इस कोशिश को नाकाम कर दिया। नवी मुंबई पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए चारों आरोपी लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य हैं।

नवी मुंबई पुलिस ने बताया कि आरोपी पनवेल में सलमान खान की कार पर हमला करने की साजिश रच रहे थे। कार को छलनी करने के लिए पाकिस्तान से सप्लायर के जरिए हथियार मंगवाने की भी साजिश रची जा रही थी। मामले में पुलिस ने अब तक लॉरेंस बिश्नोई, अनमोल बिश्नोई, गोल्डी बराड, संपत नेहरा समेत 17 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। बता दें, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धनंजय उर्फ अजय कश्यप, गौरव भाटिया उर्फ नाहवी, वासपी खान उर्फ वसीम चिकना और रिजवान खान उर्फ जावेद खान के रूप में हुई है।

कुछ मीडिया रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है, आरोपियों ने फार्म हाउस और कई जगहों की रेकी की थी। इन लोगों को सलमान खान पर एके- 47 सहित कई अन्य हथियारों से फायरिंग करने का आदेश मिला था।पुलिस ने कई वीडियो आरोपियों के मोबाइल से बरामद किए हैं।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

गर्मी का प्रकोप !

तमाम सीमाएं लांघते तापमान का सरोकार सिर्फ गरम मौसम से ही नहीं है, बल्कि उसके कई मानवीय और कामगार आयाम भी हैं। राजधानी दिल्ली का पारा अभूतपूर्व रूप से 52.9 डिग्री सेल्सियस तक उछल गया और राजस्थान के कई मरुस्थली इलाकों में 55 डिग्री को भी लांघ गया, तो मौसम विभाग के सेंसर और डाटा पर संदेह और सवाल किए जाने लगे। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजीजू ने अचानक बयान दिया कि यह तापमान का अधिकृत आंकड़ा नहीं है। दिल्ली में इतना तापमान हो ही नहीं सकता, लिहाजा अब सेंसर की जांच जारी है। शायद लीपापोती वाला कोई कारण बताया जाए! बहरहाल तापमान की डिग्री को हम एक तरफ सरका भी दें, तो बिहार के स्कूलों में 300 छात्र अचानक बेहोश क्यों हो गए? शिक्षक और पूर्व सांसद तक अचेत हो गए। सभी को अस्पताल ले जाने की नौबत क्यों आई? अंततः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सभी स्कूल बंद करने का आदेश देना पड़ा। प्रधानमंत्री मोदी की जनसभा को कवर करता हुआ एक टीवी पत्रकार भी बेहोश हो गया। यह दीगर है कि प्रधानमंत्री ने तुरंत अपनी टीम के लोगों को उसकी मदद करने को कहा। तमतमाती गर्मी और भीषण लू का प्रभाव तो है। राजधानी दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को आदेश जारी करना पड़ा कि दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक मजदूर और अन्य कामगार निर्माण-स्थलों पर काम नहीं करेंगे। कोई भी नियोक्ता या ठेकेदार उनके मेहनताने में कटौती नहीं करेगा। निर्माण-स्थलों के आसपास शीतल पेयजल की पर्याप्त और निरंतर व्यवस्था की जानी चाहिए। उपराज्यपाल का यह आदेश फिलहाल तब तक प्रभावी रहेगा, जब तक मौसम का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे न आ जाए। कामगारों का यह मुद्दा प्रत्यक्ष तौर पर देश की अर्थव्यवस्था से जुड़ा है। भारत में कुल 58 करोड़ से अधिक कामगार हैं। इसे देश का 'श्रम बल' कह सकते हैं। उनमें से 26 करोड़ से अधिक कामगार, भयानक गर्मी में भी, आसमान से बरसती आग में भी, काम करने को विवश हैं। विश्व बैंक सरीखे अंतरराष्ट्रीय संस्थानों की विश्लेषणात्मक रपटें हैं कि 2030 तक इन कामगारों की उत्पादकता, काम करने की क्षमता, कम हो सकती है। उनका 'तापमान' 6-10 फीसदी 'ठंडा' हो सकता है। उत्पादकता कम होगी, तो काम भी कम होगा, निर्माण-कार्य, खुदाई आदि कम होंगे, लिहाजा व्यापक संदर्भों में देश की अर्थव्यवस्था पर दुष्प्रभाव पड़ेंगे। इसके अलावा घर, परिवार, शरीर, कमाई और अंततः जीवन पर गंभीर और घातक प्रभाव पड़ेंगे। महत्वपूर्ण पहलू यह है कि 50 डिग्री या उससे अधिक तापमान के लिए न तो हम मानसिक तौर पर तैयार हैं और न ही देश में आधारभूत ढांचा उपलब्ध है। बिजली का उत्पादन भी इतना नहीं है कि लोगों को पर्याप्त बिजली मुहैया कर सकें। हमारी जीवन-शैली भी ऐसी नहीं है। सरकार की नीतिगत ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है कि हम 50 डिग्री या उससे ज्यादा तापमान के हालात से लड़ सकें। चिंताजनक स्थिति यह है कि भारत की स्थिति अरब देशों के मरुस्थल से भी बदतर हो गई है। हालांकि दुबई में फिलहाल तापमान 39 डिग्री सेल्सियस है। अगस्त में जब 'चरम' स्थिति होगी, तब तापमान अधिकतम 44 डिग्री होगा। भारत में बिजली कनेक्शन तो लगभग सभी घरों तक पहुंच चुके हैं, लेकिन आज भी कुछ महानगरों को छोड़ कर 24 घंटे बिजली उपलब्ध नहीं है, क्योंकि उत्पादन ही उतना नहीं है। देश के गांवों में औसतन 1-2 घर में ही एयरकंडीशनर हैं, जबकि राजधानी दिल्ली के 12 फीसदी से कुछ ज्यादा घरों में एसी हैं। लोग पसीना-पसीना होने और तपन में मरने को विवश हैं। न तो पर्याप्त आमदनी है और न ही बिजली उपलब्ध है, तो एसी का क्या करेंगे? कमोबेश दुबई जैसे शहर में 70 फीसदी बिजली की खपत सिर्फ एसी के लिए तय की गई है, ताकि काम प्रभावित न हों। अरब देश भारत से बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश नहीं हैं, लेकिन गर्मी में एक व्यवस्था निश्चित की हुई है। बहरहाल, मौसम विभाग के मूल्यांकन का इंतजार है।

राजनीतिक विसंगतियों से बचे नई लोकसभा

अठारहवीं लोकसभा के गठन के लिये हो रहे चुनाव अब अन्तिम चरण में हैं। अब चुनाव परिणामों पर सबकी निगाहें लगी है, इसी के साथ नयी लोकसभा कैसी हो, किस तरह से राजनीतिक विसंगतियों से उसे बचाकर एक नये आदर्श लोकसभा का गठन हो, ताकि आजादी का अमृतकाल स्वर्णिम एवं सार्थक बन सके। वर्ष 2047 तक भारत की यात्रा परिवर्तन, संभावनाओं एवं अवसरों से भरी है। व्यापक लोकतांत्रिक सुधारों, समग्र विकास, आर्थिक संभावनाओं का लाभ उठाकर एक समृद्ध, शक्तिशाली एवं विकसित राष्ट्र का सपना साकार किया जा सकता है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिये प्रतिबद्धता, रणनीतिक योजनाओं, सही समन्वय एवं नयी लोकसभा के सदस्यों के आपसी संवाद की अपेक्षा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमृतकाल की पूर्णता तक पहुंचने से पहले देश को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है।

वर्तमान में भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। लोकतंत्र एक जीवित तंत्र है, जिसमें सबको समान रूप से अपनी-अपनी मान्यताओं के अनुसार चलने की पूरी स्वतंत्रता होती है। लोकतंत्र की नींव जनता के मतों पर टिकी होती है। नागरिकों की आशा-आकांक्षाओं के अनुरूप प्रशासन देने वाला, संसदीय प्रणाली पर आधारित इसका मजबूत संविधान है। लेकिन लोकतांत्रिक मूल्यों के टूटते-बिखरते की स्थितियों और राजनीतिक प्रक्रिया के कारण आम लोगों में अरुचि और अलगाव बहुत साफ दिखाई देता है, इसके कुछ और भी अनेक कारणों में मुख्य है- समानता लोकतंत्र का हृदय है, लेकिन असमानता ही चहूं ओर दिखाई दे रही है। वोटों के गलियारे में सत्ता के सिंहासन तक पहुंचने की होड और येन-केन-प्रकारेण वोट बटोरने के मनोभाव ने इस उन्नत शासन प्रणाली को कमजोर किया है, जिसकी झलक इन चुनावों में हमने बढ़-चढ़ कर देखी है।

नई संसद को लेकर विमर्श प्रारंभ हो गया है और होना भी चाहिए। यह भी याद रखना जरूरी है कि आज भारत का हर नागरिक विश्व में अपने देश के सम्मान को लेकर गौरवान्वित है। देश के भविष्य को लेकर वह काफी आशावान है। दुनिया की तीसरी आर्थिक व्यवस्था बनने को लेकर उत्साहित है। इनकी आशाओं पर खरा उतरने की चुनौती आम चुनावों में सफल होकर प्रधानमंत्री और सांसद बनने वालों के सामने है। इसमें दो राय नहीं कि सकारात्मक नेतृत्व ही व्यक्ति और राष्ट्र को नई प्रेरणा देता है। ऐसे में नवनिर्वाचित सांसदों को सक्रिय संवाद की परम्परा को पुनर्जीवित करने का प्रयास दलगत राजनीति से ऊपर उठकर करने की अपेक्षा है। इसी से निर्वाचित प्रतिनिधियों की साख एवं स्वीकार्यता बढ़ेगी एवं इसीसे भारत के लोकतंत्र को अपेक्षित गरिमा एवं जीवंतता मिल सकेगी। नयी गठित होने वाली लोकसभा के सामने यह बड़ी चुनौती है।

यह चुनौती बड़ी इसलिये है कि राजनीति का वह युग बीत चुका जब राजनीतिज्ञ आदर्शों पर चलते थे। आज हम राजनीतिक दलों की विभीषिका और उसकी अतियों से ग्रस्त होकर राष्ट्र के मूल्यों को भूल गए हैं। भारतीय राजनीति उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। चारों ओर भ्रम और मायाजाल का वातावरण है। भ्रष्टाचार और घोटालों के शोर और किस्म-किस्म के आरोपों के बीच देश ने अपनी नैतिक एवं चारित्रिक गरिमा को खोया है। मुद्दों की जगह अभद्र टिप्पणियों ने ली है। व्यक्तिगत रूप से छींटाकशी की जा रही है। कई राजनीतिक दल तो पारिवारिक उत्थान और उन्नयन के लिये व्यावसायिक संगठन बन चुके हैं। सामाजिक एकता की बात कौन करता है। आज देश में भारतीय कोई नहीं नजर आ रहा क्योंकि उत्तर भारतीय, दक्षिण भारतीय, महाराष्ट्रीयन, पंजाबी, तमिल की पहचान भारतीयता पर हावी हो चुकी है। वोट बैंक की राजनीति ने सामाजिक व्यवस्था को क्षत-विक्षत करके रख दिया है। ऐसा लगता है कि सब चोर एक साथ शोर मचा रहे हैं और देश की जनता बोर हो चुकी हैं।

> **नई संसद को लेकर विमर्श प्रारंभ हो गया है और होना भी चाहिए। यह भी याद रखना जरूरी है कि आज भारत का हर नागरिक विश्व में अपने देश के सम्मान को लेकर गौरवान्वित है। देश के भविष्य को लेकर वह काफी आशावान है।**

लोकतंत्र में जनता की भागीदारी केवल वोट देने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। जनता के स्वतंत्र लिखने, बोलने और करने की स्वतंत्रता का हनन करने वाले शासकों ने इस शासन प्रणाली को ही धुंधला दिया है। शासक ही सोचेगा, शासक ही बोलेगा और शासक ही करेगा- ऐसी घोषणाओं के द्वारा शासक ने जनता को पंगु, अशक्त और निष्क्रिय बनाया है इसका खासतौर से मध्यवर्ग, कामकाजी प्रोफेशनल्स और युवा आबादी में गहरा असंतोष है। शायद यही वजह है कि आज मुश्किल से ही कोई ऐसा व्यक्ति मिलता है, जिसकी राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने में कोई दिलचस्पी हो। गौरतलब है कि शहरीकरण और इकनॉमिक ग्रोथ के साथ-साथ ऐसे लोगों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। एक तरह से लोकतंत्र जैसी स्वस्थ और आदर्श शासन प्रणाली भी प्रश्नों के घेरे में है। अब आवश्यकता इस बात की भी है कि देश में लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास हो और मतदान के साथ-साथ नागरिक सजगता का भी विकास हो।

लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाने, चुनाव की खामियों को दूर करने एवं नये लीडर उभारने के प्रयास करने होंगे। आम जनता की सजगता नयी बनने वाली सरकार एवं नये सांसदों की नीतियां और नियत क्या है इस पर भी केन्द्रित हो। वोट देने के बाद हमारे शासक कर क्या रहे हैं, इस पर नजर रखे बिना सजगता संभव नहीं है। सोशल मीडिया में भीड़ है, वह तख्ता पलट तो कर सकती है लेकिन उसके बाद का काम नहीं कर सकती। लिहाजा मतदान पहला कदम है अंतिम नहीं। लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिये जरूरी है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी से सरकार बनें और सही तरीके से चले भी। अच्छे लोग राजनीति में रूचि नहीं रखते। नागरिक सजगता की कमी इसी समझदार वर्ग में भी कम नहीं है। लोकसभा में अपराधियों की बढ़ती संख्या भी चिंता का विषय है। चुनाव आयोग पार्टियों को पंजीकृत तो कर सकता है लेकिन नियंत्रित नहीं। यह काम जागरूक नागरिक ही कर सकतें है अतः वे उठें और अपना कर्तव्य निभाएं। निष्क्रिय राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद्द होना चाहिए।

लोकतंत्र की यह दुर्बलता है कि सांसदों-विधायकों का चुनाव अर्हता, गुणवत्ता एवं योग्यता के आधार पर न होकर, दल या संस्था के आधार पर होता है। इससे राजनीति स्वस्थ नहीं बन सकती और न ही राजनीति में स्वस्थ, योग्य एवं प्रतिभासंपन्न उम्मीदवारों का चयन होता है। सही व्यक्ति की खोज वर्तमान राजनीति की सबसे बड़ी जरूरत है।

स्वस्थ राजनीति में ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता इसलिये भी है ताकि लोकतंत्र को हांकने वाला निष्पक्ष हो, सक्षम हो, सुदृढ़ हो, स्पष्ट एवं सर्वजन हिताय का लक्ष्य लेकर चल सके। ऐसी व्यवस्था भी नियोजित की जानी चाहिए है जिसमें स्वतंत्र विचारों वाले जागरूक नागरिकों द्वारा हर सरकार के कामकाज का मूल्यांकन किया जाए। यह उन्हें अपनी चुनावी घोषणाओं या जीतने के बाद किए गए वायदों के प्रति उत्तरदायी बनाएगा। हमें ऐसे मंच तैयार करने चाहिए जो भारत के उन युवाओं, प्रफेशनल्स और ऊर्जावान नागरिकों को एक साथ लाएं और आपस में जुड़ने का अवसर दें, जो इस देश की तस्वीर बदलना तो चाहते हैं लेकिन ऐसा कर नहीं पाते क्योंकि उनके पास मंच नहीं है। भावी नेतृत्व को तैयार करने के लिए हमें उनकी ऊर्जा को सही चैनल देने की पहल करनी होगी। यही युवा, सक्रिय नागरिक और प्रफेशनल अपने पेशे, अपने तौर-तरीकों और नागरिकों मूल्यों की वजह से दूसरों के लिए रोल मॉडल की भूमिका निभायेंगे। यही लोग अगली पीढ़ी के लिए पथ-प्रदर्शक बन जायेंगे। हमें भारत के विशाल प्रांगण में हर कोने में ऐसे लोगों की तलाश करनी होगी। ऐसे लोगों की तलाश और उन्हें लोकतंत्र के प्रशिक्षण का समुचित प्रबंध होना जरूरी है।

लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिये और नये लीडर तलाशने के लिये जरूरी है कि राजनीति के प्रशिक्षण का उपक्रम विभिन्न स्तरों पर संचालित होना चाहिए। न्यूनतम योग्यता एवं न्यूनतम प्रशिक्षण तय होना चाहिए। राष्ट्रीय स्तर पर कृषि, ग्रामीण रोजगार, शिक्षा, वित्तीय अनुशासन, स्वास्थ्य और कुपोषण, जवाबदेही और पारदर्शिता, चुनाव और पुलिस सुधार, मानवाधिकारों की रक्षा और संसाधनों का बराबर इनका मिशन होना चाहिए। इसलिए परिवर्तन के लिए पहले ऐसे लीडर तैयार करने होंगे। सेमिनारों, वाद-विवादों और महत्वपूर्ण मुद्दों पर राय मांगकर उनकी पहचान की जा सकती है। लीडरों का सशक्तीकरण करें, ताकि वे बदलाव के वाहक बन सकें। ऐसे दूसरे संगठनों और दबाव समूहों की पहचान करें जो अराजनीतिक और अनौपचारिक तंत्र के हिस्से हों, जैसे एनजीओ और उन्हें नीतियों के निर्माण और उनके आकलन में सहभागी बनाएं।

- ललित गर्ग

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि भला भलाई ही ग्रहण करता है और नीच नीचता को ही ग्रहण किए रहता है। अमृत की सराहना अमर करने में होती है और विष की मारने में॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

खल अघ अगुन साधु गुन गाहा। उभय अपार उदधि अवगाहा॥
तेहि तें कछु गुन दोष बखाने। संग्रह त्याग न बिनु पहिचाने॥
दुष्टों के पापों और अवगुणों की और साधुओं के गुणों की कथाएँ- दोनों ही अपार और अथाह समुद्र हैं। इसी से कुछ गुण और दोषों का वर्णन किया गया है, क्योंकि बिना पहचाने उनका ग्रहण या त्याग नहीं हो सकता॥
भलेउ पोच सब बिधि उपजाए। गनि गुन दोष बेद बिलगाए॥
कहहिं बेद इतिहास पुराना। बिधि प्रपंचु गुन अवगुन साना॥
भले-बुरे सभी ब्रह्मा के पैदा किए हुए हैं, पर गुण और दोषों को विचार कर वेदों ने उनको अलग-अलग कर दिया है। वेद, इतिहास और पुराण कहते हैं कि ब्रह्मा की यह सृष्टि गुण-अवगुणों से सनी हुई है॥
दुख सुख पाप पुन्य दिन राती। साधु असाधु सुजाति कुजाती॥
दानव देव ऊँच अरु नीचू। अमिअ सुजीवनु माहुरु मीचू॥
माया ब्रह्म जीव जगदीसा। लच्छि अलच्छि रंक अवनीसा॥
कासी मग सुरसरि क्रमनासा। मरु मारव महिदेव गवासा॥
सरग नरक अनुराग बिरागा। निगमागम गुन दोष बिभागा॥
दुःख-सुख, पाप-पुण्य, दिन-रात, साधु-असाधु, सुजाति-कुजाति, दानव-देवता, ऊँच-नीच, अमृत-विष, सुजीवन (सुंदर जीवन)-मृत्यु, माया-ब्रह्म, जीव-ईश्वर, सम्पत्ति-दरिद्रता, रंक-राजा, काशी-मगध, गंगा-कर्मनाशा, मारवाड़-मालवा, ब्राह्मण-कसाई, स्वर्ग-नरक, अनुराग-वैराग्य (ये सभी पदार्थ ब्रह्मा की सृष्टि में हैं।) वेद-शास्त्रों ने उनके गुण-दोषों का विभाग कर दिया है॥

(क्रमशः...)

नेता, अभिनेता, दोस्त या दुश्मन

(व्यंग्य)

चुनाव के दौरान पक्ष और विपक्ष आपसी तारीफ की सुंदर बानगियां पेश करते रहते हैं। पूर्व शासक कहते हैं, इनका मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है। कितनी आसानी से कह दिया, मानसिक संतुलन बिगड़ना चाय में चीनी की जगह नमक डालना जैसे हुआ। प्रतिशोध की राजनीति करते हैं, यह काफी सही लगा। शासक मंत्री कहेंगे, सार्वजनिक छवि को धूमिल करने का प्रयास। छवि न होकर सफ़ेद कमीज़ हो गई वैसे सबको सबके बारे में पता होता है। विपक्ष का ब्यान छपेगा, प्रदेश में सरकार नाम की चीज़ नहीं। सचमुच अब सरकार भी एक स्वादिष्ट चीज़ होने लगी है।

देखने में आया है जिनकी सरकार होती है, उनका सर ऊंचा होता है और महंगी कार भी उन्हीं के पास होती है। विपक्ष कहेगा पढ़ाई पर राजनीति करते हैं। सुनकर ऐसा लगा कि इन्होंने राजनीति शास्त्र पढ़ा नहीं, पता नहीं पढ़े लिखे भी या नहीं। पुरानी बड़े आकार की तोप में प्रयोग किए जाने वाले गोले सा ब्यान दागेंगे, ताक़तवर नेता हूं विपक्षी पार्टी डरती है। सही कहा, जिसके पास ताक़त होती है वह सभी को डरा सकता है। अंग्रेज़ी की पुरानी, दो शब्द की बड़ी कहावत है, 'पावर क्रप्टस'।

नैतिकता को बेचारी समझकर विपक्ष बोलेगा, इनको नैतिक आधार पर पद पर बने रहने का अधिकार नहीं। शासक वर्ग के मंत्री कहेंगे, विपक्षियों से बिना पावर के रहा नहीं जाता। विपक्ष कहेगा, सरकार चलाना इनके बस का नहीं। सरकार चलती नहीं बल्कि भागती फिरती है। उसे रोकना पड़ता है कि इधर मत जाओ, उधर जाओ। यह मत करना। मज़ेदार लगता है जब कुछ दिन बाद फिर दोनों पक्ष और विपक्ष एक दूसरे के नेताओं का कामचलाऊ, घटिया सा पुतला फूँकते हैं। ब्यान देंगे, जनता बहकावे में नहीं आएगी, सब जानती है। मासूम जनता ही तो बहकावे में आ जाती है।

सत्ता में लौटते ही विजिलेंस जांच करवाएंगे। सब जानते हैं ऐसा करना साख बनाने के लिए ज़रूरी है। बंद करवा देंगे। सत्ता कुछ भी बंद कर सकती है। शासक दल के महान नेता का ब्यान आएगा, विपक्ष बौखलाहट में ब्यान दे रहा है। शासक भूल जाता है जब वो शासित होगा, ऐसा ही ब्यान देगा। पार्टी मंत्री के साथ चट्टान की तरह खड़ी है। विजयी होकर निकलेंगे। इतिहास गवाह है ऐसे लोग हमेशा विजयी होकर निकलते भी हैं और बेचारी जनता हार जाती है।

फिर अच्छे दिन आते हैं, माननीय गवर्नर बुलाते हैं। सभी सम्मान के साथ, बहुत बढ़िया सोफे पर बैठ कर, बढ़िया चाय, समझदारी भरी बातें, नए दिलचस्प मज़ाक और असली लग रही मुस्कुराहटें पीते हैं। जन्म के दिन फोन पर बधाई देते हैं। यह लोग क्या हैं, दोस्त, दुश्मन, राजनैतिक बैरी, जुमलेबाज, डायलागबाज़, नेता या शानदार अभिनेता। अगली बार शासक दल को अगर विपक्ष में बैठना पड़ा तो ब्यानों की अदला बदली हो जाएगी। यही तो लोकतंत्र है यानी लोक को चलाने का तंत्र।

- संतोष उत्सुक

राशिफल

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष : नवमी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
थोड़ा बचकर पार करें। समय प्रतिकूल है। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। वाहन धीरे चलाएं। प्रेम, संतान का साथ है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
शत्रु मित्रवत व्यवहार करने की कोशिश करेंगे। स्वास्थ्य ठीक है, प्रेम, संतान अच्छा और व्यापार भी अच्छा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
व्यवसायिक रूप से भी बहुत अच्छा समय रहेगा। कुल मिलाकर के एक शानदार समय कहा जाएगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
आनंददायक जीवन गुजरेगा। नौकरी-चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। व्यापारिक स्थिति बहुत अच्छी होगी।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
थोड़ा डिस्टर्बेंस के साथ जीवन चलेगा लेकिन जीत आपकी होगी। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम, संतान अच्छा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भावुक मन से लिया गया निर्णय नुकसान करेगा। स्वास्थ्य थोड़ा सा मध्यम कहा जाएगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा इसलिए कलहकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है। कोई नए व्यापार या किसी नए प्रारंभ की स्थिति दिख रही है। स्वास्थ्य अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
कुटुंब में वृद्धि होगी। जुबान पर नियंत्रण रखिएगा। स्वास्थ्य ठीक है, प्रेम संतान मध्यम है, व्यापार अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम और व्यापार अच्छा दिख रहा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
सितारों की तरह चमकेंगे। जो जरुरत की वस्तु होगी या जिस चीज की अभिलाषा होगी उसकी पूर्ति होगी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। यात्रा का योग बनेगा।

सबके लाड़ले रहे नोएडा के सपूत की तीसरी पुण्यतिथि मना रहा है शहर

नोएडा (चेतना मंच)। प्रिया गोल्ड तथा बीपी अग्रवाल का नाम नोएडा के हर नागरिक की जुबान पर है। जी हां, वही प्रिया गोल्ड वाले

बीपी अग्रवाल जिनके बिस्किट भारत ही नहीं अपितु दुनिया भर में खाए जाते हैं। नोएडा में कोई सामाजिक कार्यकर्ता हो, राजनेता हो, उद्योगपति हो अथवा व्यापारी, नोएडा का एक भी नागरिक ऐसा नहीं है जो बीपी अग्रवाल को न जानता रहा हो। ठीक तीन साल पहले 1 जून 2021 को नोएडा के नागरिकों को रोता-बिलखता हुआ छोड़कर बीपी अग्रवाल स्वर्ग सिधार गए थे। पूरा नोएडा शहर शनिवार को बीपी अग्रवाल की तीसरी पुण्यतिथि मना रहा है। नोएडा के लाड़ले सपूत बीपी अग्रवाल की सफलता की कहानी एक अदभुत कहानी है। आज हम नोएडा के लोगों के दिलों में बसने वाले उद्योगपति बीपी अग्रवाल को श्रद्धांजलि देते हुए उनकी सफलता की पूरी कहानी भी आपको बताते हैं। नोएडा के इस लाड़ले बेटे ने बेहद छोटी सी पूंजी से अपना व्यापार शुरू करके 2 हजार करोड़ रूपये के टर्नओवर वाली कंपनी खड़ी कर दी थी।

नोएडा के प्रसिद्ध उद्योगपति बीपी अग्रवाल को विनम्र श्रद्धांजलि

नोएडा में प्रिया गोल्ड के नाम से बिस्किट बनाने वाले बीपी अग्रवाल की आज तीसरी पुण्यतिथि है। इस पुण्यतिथि पर उन्हें पूरा नोएडा शहर अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है। बीपी अग्रवाल का पूरा नाम बल्लभ प्रसाद अग्रवाल था। बीपी अग्रवाल का खानदान मूल रूप से राजस्थान प्रदेश के कोठपुतली क्षेत्र का रहने वाला था। कोठपुतली में ही वर्ष 1949 में बीपी अग्रवाल का जन्म हुआ था। बीपी अग्रवाल के पिता का नाम कालीचरण अग्रवाल था। कालीचरण अग्रवाल व्यापार के सिलसिले में अपने पूरे परिवार के साथ कलकत्ता चले गए थे। वर्ष-1991 में एक बड़ा सपना लेकर बीपी अग्रवाल उत्तर प्रदेश के नोएडा शहर में आए थे। नोएडा शहर बीपी अग्रवाल को इस प्रकार रास आया कि वे नोएडा के ही होकर रह गए। नोएडा में आकर बीपी अग्रवाल ने सबसे पहले सेक्टर-4 में कोकोनट ऑयल बनाने की फैक्टरी शुरू की। उनकी कोकोनट फैक्टरी कुछ दिन ठीकठाक चलती रही। लेकिन ऑयल फैक्टरी का संचालन बीपी अग्रवाल के सपने से काफी छोटा था। वर्ष-1994 में बीपी अग्रवाल ने सूर्या फूड एंड एग्रो लिमिटेड कंपनी बनाकर प्रिया गोल्ड के नाम से बिस्किट बनाने शुरू किए। देखते ही देखते बीपी अग्रवाल की कंपनी द्वारा बनाए गए प्रिया गोल्ड बिस्किट पूरी दुनिया में छा गए। जिस दिन 1 जून 2021 को बीपी अग्रवाल यह दुनिया छोड़कर गए उस दिन प्रिया गोल्ड बनाने वाली उनकी कंपनी सूर्या फूड एंड एग्रो लिमिटेड का टर्न ओवर 2 हजार करोड़ रूपये का था। किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था कि नोएडा का लाड़ला बेटा बन चुके बीपी अग्रवाल इतनी जल्दी दुनिया छोड़कर चले जाएंगे। नोएडा का शायद ही कोई ऐसा सामाजिक संगठन रहा हो जिसके साथ प्रिया गोल्ड के मालिक बीपी अग्रवाल का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध न रहा हो।

बड़े दानदाता थे बीपी अग्रवाल

सामाजिक संगठनों को दान देने के मामले में बीपी अग्रवाल का कोई मुकाबला नहीं था। नोएडा के नागरिक बीपी अग्रवाल को सबसे बड़ा दानदाता यहां तक कि भामाशाह भी कहते थे। बीपी अग्रवाल राजनीतिक क्षेत्र में भी हाथ आजमाना चाहते थे। नोएडा शहरी क्षेत्र से उनके चुनाव लड़ने को लेकर कई बार योजनाएं बनीं, घोषणाएं भी हुईं, किन्तु परिवार के विरोध के कारण बीपी अग्रवाल नोएडा से कभी चुनाव नहीं लड़ पाए। उनके निधन से कुछ दिन पूर्व उन्हें उत्तराखंड की कांग्रेस सरकार ने राज्यमंत्री का दर्जा दिया था। राजनीति में आगे न बढ़ पाने के कारण उन्होंने एक न्यूज चैनल खोलकर अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने का प्रयास किया। नोएडा के फिल्म सिटी में एक विशाल भवन बनाकर बीपी अग्रवाल ने सूर्या समाचार के नाम से न्यूज चैनल शुरू किया। दुर्भाग्य से वह चैनल चल रहीं पाया और बीपी अग्रवाल को चैनल बंद करना पड़ा। बीपी अग्रवाल को नजदीक से जानने वालों का कहना है कि चैनल में मोटी पूंजी लगाकर उसे चला न पाने का गम बीपी अग्रवाल के लिए किसी सदमे से कम नहीं था।

नोएडा के कुछ प्रबुद्ध नागरिक तो यहां तक मानते हैं कि न्यूज चैनल न चल पाने के गम के कारण ही बीपी अग्रवाल बीमार रहने लगे थे। यह बीमारी ही उनकी दु:खद मृत्यु का कारण बनी थी।

नोएडा शहर की पहचान बने चुके प्रिया गोल्ड बिस्किट कंपनी के मालिक बीपी अग्रवाल के निधन से नोएडा समेत देश भर के उद्योग जगत में शोक की लहर दौड़ गई थी। कोलकाता में फ्लाइट से उतरते ही ब्लड प्रेशर का स्तर काफी नीचे जाने से हृदय गति रुकने से उनकी मौत हो गई थी। बता दें कि बीपी अग्रवाल 1994 में छोटी सी पूंजी से बिस्किट का बिजनेस शुरू किया और जाते-जाते वह सलाना दो हजार करोड़ का टर्नओवर देने वाली सूर्या फूड एंड एग्रो लिमिटेड छोड़ गए थे।

उत्तर प्रदेश सरकार ने किया था नोएडा के लाल का सम्मान

1994 में बीपी अग्रवाल ने छोटी सी पूंजी से नोएडा शहर के सेक्टर-2 में सूर्या फूड एंड एग्रो लिमिटेड में प्रिया गोल्ड बिस्किट ब्रांड की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और सफलता के सौपान चढ़ते चले गए। नोएडा के बाद उन्होंने ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर तथा बाद में लखनऊ, हरिद्वार, ग्वालियर, जगदीशपुर, जम्मू और सूरत में फैक्ट्रियां लगाईं और कारोबार को विस्तार देते चले गए। बीपी अग्रवाल की कंपनी ने 2004 में इंटरनेशनल क्वालिटी क्राउन अवॉर्ड हासिल किया। इसके बाद उद्यमिता कौशल में उत्तर प्रदेश सरकार ने 2006 में यूपी रत्न से नवाजा। बीपी अग्रवाल समाजसेवा में हमेशा अग्रणी रहे। उन्होंने नोएडा के इस्कॉन मंदिर के लिए भी काफी काम किया। इसके साथ ही नोएडा शहर के अग्रवाल मित्र मंडल से जुड़ी गतिविधियों में वह संरक्षक के तौर पर काम करते थे।

बता दें कि बीपी अग्रवाल इतने जिद्दी किस्म के इंसान थे कि जो कह दिया वह पत्थर की लकीर होती थी। बताया जाता है कि जब उन्होंने पहली फैक्ट्री के लिए बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन किया तो उनसे कुछ अधिकारियों ने रिश्वत की मांग कर डाली। इस पर उन्होंने रिश्वत देने से साफ-साफ इनकार कर दिया। बताया जाता है कि इसके बाद लंबे समय तक उन्होंने जेनरेटर से ही फैक्ट्री संचालित की। यही वजह है कि उन्होंने बिस्किट के दो महारथियों ब्रिटानिया और पारले समूह के सामने अपना अंपायर खड़ा किया। आज बीपी अग्रवाल की तीसरी पुण्यतिथि पर नोएडा शहर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दे रहा है।

भारतीय किसान यूनियन (बलराज) संगठन के बैनर तले अनिश्चितकालीन धरना सेक्टर-142 नोएडा शहदरा गांव में 109वें दिन भी जारी रहा। धरना रात दिन का चल रहा है ।

प्रसिद्ध महिला क्रिकेटर पूनम यादव के साथ हो गया बड़ा खेला, जमीन कर दी गायब

आगरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि दुनिया भर में प्रसिद्ध महिला क्रिकेटर क्रिकेटर पूनम यादव के साथ उत्तर प्रदेश में बड़ा खेला हो गया है। जिस उत्तर प्रदेश में माफिया राज खत्म होने का दावा किया जाता है। उसी उत्तर प्रदेश में प्रसिद्ध महिला क्रिकेटर पूनम यादव की जमीन को ही गायब कर दिया गया है। बिल्कुल ठीक पढ़ा है आपने। कुछ भू-माफियाओं तथा उत्तर प्रदेश के राजस्व विभाग ने मिलकर महिला क्रिकेटर पूनम यादव की करोड़ों रूपये मूल्य की जमीन को सरकारी कागजों में से गायब कर दिया है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार क्रिकेटर पूनम यादव उत्तर प्रदेश के आगरा जिले की रहने वाली हैं। पूनम यादव का कहना है कि कुछ भू-माफियाओं ने उनकी तीन करोड़ रूपये की जमीन पर पहले कब्जा कर लिया। फिर जमीन को सरकारी रिकार्ड में से गायब करा दिया। क्रिकेटर पूनम यादव का यह भी आरोप है कि शिकायत करने पर भू-माफिया उसे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर पूनम यादव के साथ हुआ लैंड फ्रॉड उत्तर प्रदेश समेत पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया है।

क्या पूनम यादव के साथ हुआ मामला

उत्तर प्रदेश के आगरा में रहने वाली पूनम यादव अंतर्राष्ट्रय क्रिकेटर हैं। पूनम यादव भारतीय रेलवेज वीमेंस क्रिकेट टीम की कप्तान भी हैं। पूनम यादव ने बताया कि 2 साल पहले उन्होंने आगरा के फतेहाबाद कुंडौल में तीन करोड़ की जमीन खरीदी थी। ये जमीन उन्होंने बुंदू कटरा के रहने वाले कपिल यादव से ली थी। रजिस्ट्री के बाद लेखपाल ने दाखिला खारिज कराया। उन्होंने बताया कि होली पर किसी ने उनके प्लॉट पर ताला लगाकर कब्जा कर दिया था। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद उन्हें वापस कब्जा मिल गया। पूनम यादव के पिता रघुवीर यादव ने आरोप लगाया है कि लेखपाल ने भूमाफियाओं के साथ मिलकर उनकी जमीन के कागजों में हेराफेरी कर दी है। कागजों में उनके नाम की जमीन का गायब है। इसकी शिकायत उन्होंने उत्तर प्रदेश की तेज-तर्रार आईएएस अफसर तथा आगरा की कमिश्नर श्रीमती रितु माहेश्वरी से की है। श्रीमती रितु माहेश्वरी ने बताया कि इस पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है।

शाम को सही 6:15 बजे पढ़ें सबसे पहला एग्जिट पोल

लोकसभा चुनाव-2024 मतदान शनिवार (आज) शाम को 6 बजे पूरा हो जाएगा। मतदान पूरा होते ही शाम को ठीक 6:15 बजे चेतना मंच आपके लिए प्रकाशित करेगा सबसे पहला एग्जिट पोल। पूरे देश से एकत्र किए गए आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर यह एग्जिट पोल प्रकाशित किया जाएगा। जरूर पढ़ें चेतना मंच का विश्वसनीय तथा भरोसेमंद एग्जिट पोल। यह एग्जिट पोल चेतना मंच की न्यूज पोर्टल www.chetnamanch.com पर आज शाम को ठीक 6:15 बजे तक प्रकाशित किया जाएगा।

पृष्ठ एक के शेष....

ध्यान-साधना का...

पीएम मोदी ने शनिवार को सुबह की शुरुआत सूर्य को अर्घ्य देने से किया जो आध्यात्मिक अभ्यास से जुड़ा एक अनुष्ठान है जिसमें भगवान सूर्य के रूप में प्रकट सर्वशक्तिमान को नमस्कार करना भी शामिल है। एक अधिकारी ने बताया कि पीएम ने एक पारंपरिक छोटे से बर्तन में समुद्र का पानी अर्घ्य के रूप में भरा और जप माला का उपयोग करके प्रार्थना की।

मोदी-योगी के गढ़ में ....

राबर्ट्सगंज निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता अपने अधिकार का इस्तेमाल कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में उत्तर प्रदेश की 13 सीटों के साथ ही सोनभद्र जिले में दुद्धी उप निर्वाचन क्षेत्र के लिए शनिवार को मतदान जारी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गढ़ में होने वाली निर्णायक लड़ाई पर सभी की निगाहें लगी हैं।

यूपी की सबसे अहम वाराणसी लोकसभा सीट से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, गोरखपुर की चर्चित सीट से भाजपा ने अभिनेता और मौजूदा सांसद रवि किशन को उतारा है। चंदौली से केंद्रीय मंत्री महेंद्रनाथ पांडेय और मीरजापुर सीट से केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल हैट ट्रिक के इरादे से चुनाव मैदान में हैं। गाजीपुर की लड़ाई भी रोचक है। सपा ने यहां से मुख्तार अंसारी के बड़े भाई अफजाल अंसारी को टिकट दिया है। अफजाल ने पिछले चुनाव में बसपा के टिकट पर जीत हासिल की थी।

सातवें चरण में 13 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के 2,50,56,977 मतदाता 144 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। इनमें 134 पुरुष और 10 महिला प्रत्याशी हैं। सबसे अधिक 28 उम्मीदवार घोसी और सबसे कम सात-सात प्रत्याशी वाराणसी और देवरिया में हैं। मतदान के लिए 25,658 पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं। इनमें 4165 संवेदनशील हैं। सातवें चरण में भीषण गर्मी के कारण मतदान कर्मियों की मौत ने भी चुनाव कर्मियों की चिंता बढ़ा दी है। मिर्जापुर और सोनभद्र में मतदानकर्मियों की मौत से चिंता और बढ़ गई है।

लोकसभा चुनाव-2024 के सातवें चरण में उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख और वाराणसी सीट से उम्मीदवार अजय राय ने मतदान किया। उनका मुकाबला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा उम्मीदवार नरेंद्र मोदी और बसपा के अथर जमाल लारी से है। भाजपा प्रत्याशी रवि किशन ने मतदान के बाद एक्स पर लिखा, लोक सभा चुनाव-2024 के लिए आज गोरखपुर में धर्मपत्नी श्रीमती प्रीति शुक्ला जी के साथ मतदान किया। आत्मनिर्भर भारत-विकसित भारत के निर्माण के लिए आप सभी मतदान अवश्य करें।

वाराणसी के रोहनिया विधानसभा के सिहोरवा उत्तरी मतदान केंद्र के बूथ संख्या 94 पर ईवीएम में आई तकनीकी खराबी की वजह से मतदान अवरुद्ध हो गया। वहीं, रोहनिया विधानसभा के बेलौडी मीराबन बूथ संख्या 31 4में भी आधे घंटे मतदान के अवरुद्ध की सूचना है। सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने लोकसभा चुनाव 2024 के अंतिम चरण के लिए वाराणसी के रामनगर में एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। महराजगंज जिले के जंगल जोगियाबारी बूथ पर कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भी मतदान किया।

उधर चुनाव के दौरान पड़ रही भीषण गर्मी चुनावी ड्यूटी में लगे कर्मियों के लिए घातक साबित हो रही है। यूपी के मिर्जापुर जिले में चुनाव ड्यूटी में आए 9 कर्मचारियों की शुक्रवार को मौत हो गई। मिर्जापुर में भीषण गर्मी और लू की वजह से चुनावी ड्यूटी में आए 6 होमगार्ड, 1 स्वास्थ विभाग का कर्मचारी, 1 चकबंदी अधिकारी और 1 स्वाथ्य विभाग के बाबू की मौत हो गई। 20 होमगार्ड को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है।जहां उनका इलाज जारी है। शनिवार को होने वाले मतदान को लेकर विभिन्न जनपदों से होमगार्ड चुनावी ड्यूटी पर आए थे। मृतक पोलिंग पार्टी रवाना होने की जगह पॉलीटेक्निक मैदान में पहुचे थे। बीमार होने के बाद ट्रामा सेंटर में भर्ती करवाया गया।

बीमार होकर अस्पताल पहुंचे होमगार्ड बच्चा राम चौबे (50) निवासी गोंडा, सफाईकर्मी रवि प्रकाश (40) पुत्र ओम प्रकाश निवासी पीरवाजी चुनार, होमगार्ड सत्य प्रकाश (52) निवासी नरखोईया कंपनी बस्ती, होमगार्ड राम जियावन यादव (50) निवासी गोंडा, होमगार्ड त्रिभुवन (50) निवासी नैनी प्रयागराज, होमगार्ड रामकरन (55) निवासी सिकंदरपुर बजहा कहार कौशांबी, प्रयाग नरायण मिश्र (55) निवासी गोंडा की उपचार के दौरान मौत हो गई। सफाई कर्मी शिवशंकर (42) व अभिलाष (32) को उपचार के लिए अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर ने उनको मृत घोषित कर दिया। सोनभद्र में भी हीटवेव की चपेट में 8 मतदानकर्मी आ गए जिनमें से दो की मौत के समाचार हैं।

खराब रही ईवीएम

वाराणसी की रोहनिया विधानसभा के बेदौली प्राइमरी पाठशाला की बूथ संख्या 57 पर सात बजे ही ईवीएम खराब हो गई। नौ बजे ठीक हुई। दो घंटे बाद मतदान शुरू हुआ। विमल कुमार गुप्ता ने बताया कि दो घंटे तक मतदान रुका रहा।

सीईओ व एसीईओ ने ...

नोफा तथा सेक्टर-62 आरडब्ल्यूए संगठन के पदाधिकारियों के अलावा नोएडा प्राधिकरण के जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी भी शामिल रहे। सभी ने पार्क में फैले कूड़े-कचरे को बैग्स में एकत्रित कर पार्क की सफाई की।

इस दौरान नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम, एसीईओ वंदना त्रिपाठी, महाप्रबंधक (जल) आर.पी. सिंह, उपमहाप्रबंधक (सिविल) विजय रावल, उपमहाप्रबंधक (जन स्वास्थ्य) एस.पी. सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक (खंड-1) गौरव बंसल, (खंड-2) के वरिष्ठ प्रबंधक आर.के. शर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक राजकमल, सहायक प्रबंधक प्रदीप, डीडीआरडब्ल्यूए के अध्यक्ष एन.पी. सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय कुमार, उपाध्यक्ष अनिल सिंह, नोएडा फैडरेशन ऑफ एपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (नोफा) के अध्यक्ष राजीव सिंह, फेनरवा के कोषाध्यक्ष पवन यादव, सेक्टर-62 के आरब्ल्यूए के श्री उप्रेती, एमएल शर्मा, मुखर्जी दा, सेक्टर-12 एवरग्रीन आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष पुनीत शर्मा समेत जनस्वास्थ्य विभाग के सफाई निरीक्षक, सफाई मित्र समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।

एमिटी में आर्य युवक....

मुख्य अतिथि रहेंगे व आनंद चौहान अध्यक्षता करेंगे। वैदिक विद्वान डॉ.जयेन्द्र आचार्य, बहिन गायत्री मीना,अजय चौहान, मेजर जनरल आर के एस भाटिया, ब्रिगेडियर मुक्ति कांत महापात्र, डॉ. डी के गर्ग, प्रिन्सिपल रेणु सिंह,अमरेश त्यागी आदि आशीर्वाद प्रदान करेंगे।

राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने आर्य जनता से समारोह में पहुंचने की अपील की है। परिषद के राष्ट्रीय महासचिव महेन्द्र भाई ने बताया कि कार्यक्रम का यू ट्यूब चैनल 'आर्य युवक परिषद' पर लाइव प्रसारण होगा एवं व्यायाम शिक्षक योगेन्द्र शास्त्री, सौरभ गुप्ता, अरुण आर्य, विकास कुमार,प्रदीप आर्य,रोहित कुमार, मोहित कुमार आदि शिक्षण प्रदान करेंगे।

शिविर समापन समारोह रविवार 9 जून को प्रात 11.00 बजे होगा जिसमें संसद सदस्य डॉ. महेश शर्मा मुख्य अतिथि होंगे व डॉ.अशोक कुमार चौहान अध्यक्षता करेंगे। आर्य युवकों के व्यायाम प्रदर्शन विशेष आकर्षण का केन्द्र होंगे।

3.50 लाख के अधिक....

इसमें जरा भी संशय नहीं है। उन्होंने कहा कि 4 जून को अपनी-अपनी जीत का दावा करने वाले विपक्षी दलों के सभी दावे भी मुंगेरीलाल के हसीन सपनों की तरह काफूर हो जाएंगे।

श्री वत्स का कहना है कि गौतम बुद्ध नगर लोकसभा क्षेत्र में डॉ. महेश शर्मा रिकॉर्ड मतों से जीतकर हैट्रिक लगाएंगे। उन्हें यहां हर वर्ग तथा जाति का भरपूर समर्थन तथा आशीर्वाद मिला है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

उत्तर मध्य रेलवे G20

ई प्रापण निविदा सूचना 09/2024 दिनांक : 29.05.2024

निविदा संख्या : 13245416	मात्रा : 16 नग	ईएमडी (रू.) : 53,000/-

विवरण : पोर्टेबल डी.सी. वेल्डिंग जनरेटर RDSO स्पेसिफिकेशन संख्या TM/SM/20 दिनांक 19.11.1992 (Second revision 2022) के अनुसार।

निविदा खुलने की तिथि : 20.06.2024, नोट : 1. उपरोक्त सभी ई प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण-IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं कि जायेगी। वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III, Digital हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिए। 5. ड्राइंग की कीमत के लिये विनिधान जेड 650 एवं बयाना राशि (ई.एम.डी.) जमा करने के लिये विनिधान विविध भंडार 00844517 हैं।किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 938/24 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @northcentralrailway @CPRONCR

खास खबर

9 बार बोनस शेयर का तोहफा, इस मल्टीबैगर ने 1 लाख रुपये के बना दिए 2.5 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑटो कंपोनेंट्स एंड इक्विपमेंट्स इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल ने लंबी अवधि का नजरिया रखने वाले निवेशकों को मालामाल कर दिया है। संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल ने साल 2000 से लेकर अब तक इनवेस्टर्स को 9 बार बोनस शेयर का तोहफा दिया है। वहीं, संवर्धन मदरसन ने पिछले 15 साल में लोगों को 6 बार बोनस शेयर दिए हैं। ऑटो इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल ने पिछले 15 साल में ही 1 लाख रुपये के इनवेस्टमेंट को 2.5 करोड़ रुपये से ज्यादा बना दिया है। संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल ने साल 2000 से लेकर अब तक 9 बार बोनस शेयर दिए हैं। हमने पिछले 15 साल का डेटा लिया है। संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल के शेयर 29 मई 2009 को 6.80 रुपये पर शेयर थे। अगर किसी व्यक्ति ने 29 मई 2009 को कंपनी के शेयरों में 1 लाख रुपये का निवेश किया होता तो उसे संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल के 14704 शेयर मिलते। कंपनी ने साल 2009 से लेकर अब तक 6 बार बोनस शेयर दिए हैं। कंपनी ने अक्टूबर 2012, दिसंबर 2013, जुलाई 2015, जुलाई 2017, अक्टूबर 2018 और अक्टूबर 2022 में 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर दिए हैं। यानी, कंपनी ने हर 2 शेयर पर 1 बोनस शेयर दिया है। अगर 6 बार में दिए गए बोनस शेयरों को जोड़ें तो 1 लाख रुपये से खरीदे गए कुल शेयरों की संख्या बढ़कर 167487 शेयर हो जाती है। संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल के शेयर 31 मई 2024 को 152.25 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। करेंट शेयर प्राइस के हिसाब से 167487 शेयरों की मौजूदा वैल्यू 2.5 करोड़ रुपये होती। हमने अपने कैलकुलेशन में कंपनी के स्टॉक स्प्लिट को शामिल नहीं किया है।

टाइम मैगजीन की 100 प्रभावशाली कंपनियों में भारत का दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा समूह को फेमस मैगजीन टाइम की वर्ष 2024 की दुनिया की 100 सबसे प्रभावशाली कंपनियों की लिस्ट में जगह मिली है। टाइम की लिस्ट में रिलायंस को दूसरी बार जगह दी गई है। समूह की डिजिटल संपत्तियों को रखने

वाली फर्म जियो प्लेटफॉर्म्स को 2021 में आई पहली टाइम 100 सबसे प्रभावशाली कंपनियों की सूची में शामिल किया गया था।

टीका बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टिट्यूट इस सूची में शामिल एक अन्य भारतीय कंपनी है। टाइम ने रिलायंस को 'टाइटन' कैटेगरी में लिस्ट किया है। सूची की पांच कैटेगरीज में लीडर, डिसरप्टर, इनोवेटर और पायनियर भी शामिल हैं। टाटा को भी टाइटन कैटेगरी में लिस्ट किया गया है जबकि सीरम इंस्टिट्यूट को 'पायनियर' कैटेगरी में जगह दी गई है।

इस वजह से मिली लिस्ट में जगह

टाइम ने रिलायंस को भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी बताते हुए कहा है कि मुकेश अंबानी की अगुवाई में इसने ऊर्जा, खुदरा और दूरसंचार क्षेत्रों में भी कदम रखते हुए अपना विस्तार किया है। इसमें डिज्नी के भारतीय कारोबार के साथ रिलायंस के प्रसारण कारोबार के विलय संबंधी 8.5 अरब डॉलर के सौदे का भी जिक्र किया गया है।

टाइम ने सीरम इंस्टिट्यूट को दुनिया की सबसे बड़ी टीका विनिर्माता कंपनी बताते हुए कहा है कि यह हर साल 3.5 अरब टीके की खुराक बनाती है।

एलन मस्क ने कभी जिस कार का उड़ाया था मजाक, आज वही निकाल रही है टेस्ला का पसीना

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे के निवेश वाली चीन की ऑटो कंपनी बीवाईडी ने एलन मस्क की टेस्ला की रातों की नींद हराम कर रखी है। पिछले साल की चौथी तिमाही में चीन की इस कंपनी ने सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक कार बनाने के मामले में टेस्ला को पछाड़ दिया था। हालांकि इस साल की पहली तिमाही में टेस्ला फिर आगे निकल गई है। लेकिन दोनों के बीच कांटे की टक्कर चल रही है। बीवाईडी अब जापानी कंपनी टोयोटा के भी पसीने छुड़ा रही है। उसने हाल में एक नई हाइब्रिड गाड़ी निकाली है जो एक बार फ्यूल भरने पर 1,300 मील (करीब 2000 किमी) तक चल सकती है। यह दूरी लगभग दिल्ली से चेन्नई के बराबर है। एक जमाना ऐसा भी था जब टेस्ला और अमेरिका के अधिकारियों ने बीवाईडी का जमकर मजाक उडाया था।

यह बात साल 2007 की है। बैटरी बनाने वाली चीन की कंपनी बीवाईडी कार मैन्यूफैक्चरिंग में हाथ आजमा रही थी। उसने अपना सबसे नया मॉडल ग्वांगझू ऑटो शो में प्रदर्शनी के लिए रखा था। तब अमेरिकी अधिकारियों ने इसका काफी मजाक उड़ाया था। इसकी वजह यह थी कि उस कार पर पेंट भी ठीक ढंग से नहीं हुआ था और उसका दरवाजा भी फिट नहीं बैठ रहा था। इसी तरह मस्क ने भी 2011 में

एक इंटरव्यू में बीवाईडी का मजाक उड़ाया था। जब उनसे बीवाईडी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा था, क्या आपने उनकी कार देखी है। उनका प्रॉडक्ट आकर्षक नहीं है और तकनीक भी मजबूत नहीं है। लेकिन तबसे स्थितियां काफी बदल चुकी हैं। बीवाईडी ने दुनियाभर में अपना लोहा मनवाया है।

टेस्ला को टक्कर- जनवरी में मस्क ने कहा था कि अगर चीन की ईवी कंपनियों को नहीं रोका गया तो वे दुनिया की बाकी कार कंपनियों को बर्बाद कर देंगी। बीवाईडी ने टेस्ला की नाम में दम कर रखा है। टेस्ला अमेरिका की बेस्ट सेलिंग ईवी है लेकिन अब उसे विदेशी कंपनियों खासकर बीवाईडी से कड़ी चुनौती मिल रही है। इसकी वजह यह है कि टेस्ला के मुकाबले उसकी कारें काफी सस्ती हैं। दूसरी वजह यह है कि टेस्ला ने हाल के वर्षों में कई बड़ा इनोवेशन नहीं किया है। दूसरी ओर बीवाईडी ईवी के साथ-साथ हाइब्रिड भी बना रही है और टेस्ला के बाजार में सेंध लगा चुकी है। चीन की यह कंपनी ब्राजील, हंगरी, थाईलैंड और उजबेकिस्तान में असेंबली लाइन बना रही है। साथ ही उसकी इंडोनेशिया और मेक्सिको में भी असेंबली लाइन खोलने की योजना है।

अमेरिका में लोग ईवी के बजाय हाइब्रिड मॉडल पसंद कर रहे हैं। बीवाईडी की हाइब्रिड कार की कीमत 14,000 डॉलर है जबकि अमेरिका की बेस्ट सेलिंग कार टोयोटा प्रियस की कीमत 28,000 डॉलर से शुरू होती है। अमेरिका में ईवी के लिए पर्याप्त संख्या में चार्जिंग स्टेशन नहीं हैं। अभी टेस्ला और अमेरिका की दूसरी कार कंपनियों से ज्यादा खतरा नहीं है। इसकी वजह यह है कि अमेरिका ने चीनी की कंपनियों पर कई पाबंदियां और टैक्स लगा रखे हैं। लेकिन देर-सबेर अमेरिका को सस्ती गाड़ियों को अपने यहां एंट्री देनी ही होगी।

इनोवेशन का कमाल- कंपनी ने लीथियम बैटरीज में निकल, कोबाल्ट और मैगनीज जैसे महंगे रसायनों के बजाय आयरन और फॉस्फेट का इस्तेमाल किया। लेकिन यह तरकीब काम नहीं आई। क्योंकि इसकी रेंज बहुत कम थी। बीवाईडी 2020 में ब्लेड बैटरीज लेकर आई। इससे रेंज की समस्या काफी हद तक दूर हो गई। इनकी कीमत भी निकल-कोबाल्ट की तुलना में काफी कम थी। टेस्ला ने उसी साल चीन में कार बनाना और बेचना शुरू किया था। देश में इलेक्ट्रिक कारों के प्रति गजब का उत्साह था। बीवाईडी अब भी ज्यादातर सस्ती कारें बेचती है जबकि टेस्ला के पास ज्यादा बड़ी रेंज के साथ महंगी कारें हैं।

कैसे हुई शुरुआत

पिछले साल के अंत में बीवाईडी ने वैश्विक बिक्री के मामले में टेस्ला को पछाड़ दिया था। कंपनी यूरोप में अपना विस्तार कर रही है। कंपनी की 80 प्रतिशत बिक्री चीन में ही होती है। पिछले दो साल में कंपनी की बिक्री में हर साल 10 लाख यूनिट का इजाफा हुआ है। इससे पहले यह उपलब्धि केवल अमेरिका की जनरल मोटर्स को हासिल थी। कंपनी ने साल 1946 में यह कारनामा किया था। इसकी वजह यह थी कि कंपनी ने दूसरे विश्व युद्ध के कारण चार साल तक पैसेंजर कारों की बिक्री नहीं की थी। बीवाईडी का हेडक्वार्टर चीन के शेनजेन में है जो कि देश की इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री का हब है। इसकी स्थापना 1995 में वांग चुआनफू ने की थी। शुरुआत में यह कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों के लिए बैटरी बनाती थी। 2003 में कंपनी ने कार बनाने वाली एक फैक्ट्री खरीदी।

शुरुआत में उसे काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लेकिन 2008 में कंपनी की बिक्री में तेजी आई। 2012 तक डिमांड बढ़ने से प्रॉडक्शन बढ़ने लगा। लेकिन कंपनी के पास सीमित मॉडल थे जबकि विदेशी कंपनियों के पास कई आकर्षक मॉडल थे। इससे कंपनी की बिक्री और शेयरों की कीमत प्रभावित हुई। 2016 में कंपनी ने ऑडी के जाने माने डिजाइनर वूल्फगैंग ईगर को अपने साथ मिलाया। ईगर ने सैकड़ों कार इंजीनियर्स को अपने साथ जोड़ा और फिर उन्होंने बीवाईडी के मॉडलों की तस्वीर पूरी तरह बदल दी।

खुल गया है दमदार कंपनी टीबीआई कॉर्न का आईपीओ

कीमत 100 रुपये से कम, पैसा पहले दिन होगा डबल!

नई दिल्ली, एजेंसी। टीबीआई कॉर्न आईपीओ निवेशकों के लिए ओपन हो गया है। इस आईपीओ का साइज 44.94 करोड़ रुपये का है। कंपनी ग्रे मार्केट में शानदार प्रदर्शन कर रही है। इससे निवेशकों को उम्मीद है कि पहले दिन ही पैसा डबल हो जाएगा। बता दें, आईपीओ के जरिए कंपनी 47.81 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी।

4 जून तक खुला रहेगा आईपीओ- टीबीआई कॉर्न आईपीओ 31 मई से 4 जून तक खुला रहेगा। कंपनी के आईपीओ पर दांव लगाने वाले निवेशकों को 5 जून को शेयरों का अलॉटमेंट किया जा सकता है। वहीं, एनएसई एसएमई में कंपनी की लिस्टिंग 7 जून, दिन शुक्रवार को हो सकती है।

इस आईपीओ का प्राइस बैंड 90 रुपये से 94 रुपये प्रति शेयर है। टीबीआई कॉर्न आईपीओ का लॉट साइज 1200 शेयरों का बनाया गया है। जिस वजह से रिटेल निवेशकों को कम से कम 1,12,800 रुपये का दांव लगाना होगा।

टीबीआई कॉर्न आईपीओ ग्रे मार्केट में आज 95 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। अगर यही हाल लिस्टिंग तक रहा तो निवेशकों का पैसा पहले दिन ही दोगुना हो जाएगा। ग्रे मार्केट से मिल रहे संकतों के अगर देखें तो कंपनी की एनएसई में लिस्टिंग 200 रुपये के करीब हो सकती है।

कंपनी के प्रमोटर्स योगेश लक्ष्मण और आशा लक्ष्मण हैं। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 76.65 प्रतिशत है। जोकि आईपीओ के बाद घटकर 57.71 प्रतिशत की है। बता दें, रिटेल निवेशकों के लिए कम से कम 35 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा।

कंपनी का तिमाही बहिखाता कितना मजबूत- जनवरी से मार्च 2023 के दौरान कंपनी का प्रॉफिट (टैक्स भुगतान के बाद) 686.09 करोड़ रुपये रहा है। वहीं, अक्टूबर से दिसंबर 2023 के दौरान 766.45 करोड़ रुपये रहा है।

3000 रुपये के पार जा सकते हैं महिंद्रा के शेयर, एक्सपर्ट ने कहा- खरीदो शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। कमर्शियल व्हीकल्स, पैसेंजर व्हीकल्स और ट्रैक्टर्स बनाने वाली कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है। ब्रभख्र सिक्योरिटीज के लेटेस्ट नोट के मुताबिक, महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 3050 रुपये तक जा सकते हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर शुक्रवार को करीब 3 पर्सेंट की तेजी के साथ 2568.50 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 2616.80 रुपये है। वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 1313.40 रुपये है।

बाय रेटिंग के साथ 3050 रुपये का टारगेट प्राइस

ब्रोकरेज हाउस ब्रभख्र सिक्योरिटीज ने महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों की रेटिंग को अपग्रेड करके न्यूट्रल से बाय कर दिया है। ब्रोकरेज हाउस ने महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों का टारगेट प्राइस बढ़ाकर 3050 रुपये कर दिया है। ब्रोकरेज हाउस ने पहले कंपनी के शेयरों के लिए 2450 रुपये का टारगेट दिया था। रिवाइज्ड प्राइस टारगेट से संकेत मिलता है कि कंपनी के शेयर गुरुवार के क्लोजिंग लेवल्स से 22 पर्सेंट चढ़ सकते हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर गुरुवार को 2494.70 रुपये पर बंद हुए थे।

महिंद्रा एंड महिंद्रा का कवरेज करने वाले 40 एनालिस्ट्स में से 35 ने कंपनी के शेयरों को बाय रिकमंडेशन दी है। वहीं, 4 एनालिस्ट्स ने शेयरों को होल्ड रेटिंग दी है। केवल 1 एनालिस्ट ने कंपनी के शेयरों को सेल रेटिंग दी है। यह बात सीएनबीसी-टीवी 18 की एक रिपोर्ट में कही गई है। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में पिछले 1 साल में 95 पर्सेंट के करीब उछाल आया है। कंपनी के शेयर 31 मई 2023 को 1318.40 रुपये पर थे। ऑटोमोबाइल कंपनी के शेयर 31 मई 2024 को 2568.50 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं, पिछले 6 महीने में महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में 55 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। इस साल अब तक कंपनी के शेयर करीब 53 पर्सेंट चढ़ गए हैं।

भारत के लिए बड़ी उपलब्धि: RBI ने ब्रिटेन से 100 टन सोना वापस मंगाया

नई दिल्ली, एजेंसी। चंद्रशेखर के जमाने में जहां भारत दूसरे देशों में अपना सोना गिरवी रखने को मजबूर था तो आज मोदी के इंडिया में विदेश में वर्षों से जमा सोना भारत वापस मंगा रहा है। इस कड़ी में भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्रिटेन से 100 टन से थोड़ा अधिक सोना देश में अपने तिजोरी में भेजा है। यह 1991 की शुरुआत के बाद पहली बार है, जब इतने बड़े पैमाने पर सोना आरबीआई की तिजोरी में जमा किया गया है।

आने वाले महीनों में फिर से इतनी ही मात्रा में सोना देश में आ सकता है। यह जानकारी टाइम्स ऑफ इंडिया के सूत्रों ने उसे दी है। एक सूत्र ने कहा, यह अर्थव्यवस्था की मजबूती और आत्मविश्वास को दर्शाता है, जो 1991 की स्थिति के बिल्कुल विपरीत है।

लेटेस्ट डेटा के अनुसार मार्च के अंत में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पास 822.1 टन सोना था, जिसमें से 413.8 टन विदेशों में रखा गया था। सोना खरीदने वाले केंद्रीय बैंकों में आरबीआई भी शामिल रहा , जिसने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 27.5 टन सोना जोड़ा।

लंदन में भारत के सोने के स्टॉक

दरअसल दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों के लिए बैंक ऑफ इंग्लैंड पारंपरिक रूप से भंडारगृह रहा है। भारत भी इससे अलग नहीं है। आजादी से पहले से लंदन में भारत के सोने के स्टॉक पड़े हुए हैं। एक अधिकारी ने कहा, आरबीआई ने कुछ साल पहले सोना खरीदना शुरू किया था और यह तय किया कि वह इसे कहां स्टोर करना चाहता है। चूंकि विदेशों में भारत का स्टॉक बढ़ रहा था, इसलिए कुछ सोना भारत लाने का फैसला किया गया।

आरबीआई खूब खरीद रहा सोना

भारत में सोने के प्रति मोह किसी से छिपा नहीं है। सोने का खोना, गिरवी रखना या बेचना किसी भी परिवार के लिए अच्छा नहीं माना जाता। एक समय ऐसा भी आया था, जब भारत को सोना गिरवी भी रखना पड़ा था। जबकि ,आरबीआई ने लगभग 15 साल पहले अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से 200 टन सोना खरीदा था। पिछले कुछ सालों में भारतीय केंद्रीय बैंक द्वारा खरीद के माध्यम से स्टॉक में लगातार वृद्धि हुई है।

पी एंड जी शिक्षा ने एक नया अभियान स्टैंडअप फॉर लर्निंग गैप्स लॉन्च किया

पी एंड जी शिक्षा अभियान से जुड़ा मंडीदीप

मंडीदीप, एजेंसी। पी एंड जी इंडिया के सीएसआर विभाग की एक प्रमुख पहल, पी एंड जी शिक्षा ने एक नया अभियान स्टैंडअपफॉरलर्निंगगैप्स लॉन्च किया है। नेशनल अचीवमेंट सर्वे द्वारा 2021 में कराए गए सर्वे के मुताबिक मंडीदीप सहित देशभर में 6 करोड़ से ज्यादा बच्चों में शैक्षिक प्रगति की कमी पाई गई है। इन बच्चों की समस्या पर ध्यान देने के उद्देश्य से पीएंडजी शिक्षा ने यह अभियान शुरू किया है। हालाँकि शिक्षा तक पहुंच में काफी सुधार हुआ है, लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच एक चुनौती बनी हुई है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित कई बच्चों को समाज में मजाक या उपहास का सामना करना पड़ता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इस मुद्दे की सार्वजनिक समझ कम है। ऐसी गुणवत्ताहीन शिक्षा का बच्चों पर प्रभाव इस विषय पर एक विचारोत्तेजक सेमिनार का आयोजन अभियान के तहत किया गया।

स्टैंडअप फॉर लर्निंग गैप्स की अवधारणा पर आधारित इस सेमिनार का संचालन लेखिका और पूर्व पत्रकार प्रियंका खन्ना ने किया। दो बार राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री और निर्माता कोंकणा सेन शर्मा, पी एंड जी इंडिया के ब्रांड ऑपरेशंस के उपाध्यक्ष और ग्रूमिंग प्रमुख अभिषेक देसाई, तथा स्टैंड-अप कलाकार राहुल दुआ ने पैनल में भाग लिया।इन वक्ताओं ने बड़े होने के दौरान अपने स्वयं के अनुभवों के माध्यम से सीखने में अंतराल वाले बच्चों के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की, साथ ही भारत में सभी बच्चों के लिए एक सहायक सीखने का माहौल बनाने के लिए शिक्षकों, माता-पिता और समुदाय के बीच सहयोग के महत्व पर चर्चा की। कोंकणा और राहुल ने अपने सीखने के स्तर को निर्धारित करने के लिए स्वयं एक परीक्षण भी दिया। उन्होंने वैचारिक समझ और मजबूत नींव बनाने पर ध्यान देने की जरूरत बताई। इस आयोजन में, पी एंड जी शिक्षा पहल के तहत एक नया विज्ञापन फिल्म जारी की गई। यह अपनी तरह की पहली फिल्म है जो दर्शकों को जोड़ने के लिए प्रासंगिक हास्य और स्टैंड-अप अनुक्रम का उपयोग करती है, तथा उन्हें शैक्षिक कमजोरी पर ध्यान देने और इस उद्देश्य के लिए खड़े होने के लिए प्रेरित करती है।

हाल ही में इंटरनेट पर आए कुछ मीम्स को विज्ञापन में उद्धृत किया गया है। इसमें कुछ लड़के-लड़कियों से सवाल पूछे जाते हैं और वे गलत जवाब देते हैं। यह संबंधित बच्चों की हंसी और उपहास का कारण बनता है। एक रिपोर्टके मुताबिक, एक पत्रकार को गलत जवाब देने वाले बच्चे का वीडियो 2023 में भारत में शीर्ष 10 सबसे ज्यादा खोजे गए मीम्स में से एक था। हालाँकि, यह हँसी अक्सर एक अधिक गंभीर मुद्दे को छिपा देती है- समझ की कमी जो बच्चे की शैक्षणिक प्रगति में बाधा डालती है। बच्चे साधारण प्रश्नों का भी उत्तर नहीं दे पाते, जिससे उनकी नीरस स्थिति का पता चलता है।

कंटूर स्पेस ने वित्त वर्ष 24 में आय 11.03 करोड़ होने की रिपोर्ट दी

मुंबई, एजेंसी। भारतीय स्टॉक मार्केट में लिस्ट होने वाली प्रथम कोङ्क वर्किंग स्पेस कंपनी, कंटूर स्पेस लिमिटेड (एनएसई : कंटूर) ने वित्त वर्ष 24 की दूसरी छमाही और वित्त वर्ष 24 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है.। वित्त वर्ष 24 की दूसरी छमाही में आय 6.38 करोड़ हुई .एबिटडा 1.89 करोड़ हुआ , एबिटडा मार्जिन 29.59 प्रतिशत हुई , कर बाद लाभ 0.99 करोड़ हुआ , कर बाद लाभ मार्जिन 15.47 प्रतिशत हुई , ईपीएस 2.03 हुई।

वित्त वर्ष 24 में आय 11.03 करोड़ हुई , एबिटडा 3.97 करोड़ हुआ . एबिटडा मार्जिन 35.97 प्रतिशत हुई . कर बाद लाभ 1.95 करोड़ हुआ . कर बाद लाभ मार्जिन 17.66 प्रतिशत हुई . ईपीएस 4.02 हुई। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कंटूर स्पेस लिमिटेड की मैनेजिंग डायरेक्टर, मिस कानन राजन कपूर ने कहा, ÷कंटूर स्पेस का वित्त वर्ष 24 का प्रदर्शन हमारे जोरदार ग्रोथ और वर्क स्पेस सॉल्यूशंस बढ़ाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है. हमारा फोकस महाराष्ट्र में विभिन्न मुख्य लोकेशन पर लगभग 2400 सीट की इन्वेंटरी सहित पाइपलाइन में दो नए सेंटर के साथ हमारी क्वालिटी आफरिंग को सुधारने पर बना हुआ है. हमारी विस्तार योजना के भाग रूप में हमारा उद्देश्य चरणबद्ध ढंग से हमारी सीटिंग क्षमता बढ़ाना है. हम आगामी 2 महीने में क्रमशः महापे, नवी मुंबई और अंधेरी एमआईडीसी में दो नए सेंटर खोलने जा रहे हैं. इसके अतिरिक्त हम महाराष्ट्र से आगे हमारे फुटप्रिंट का विस्तार करने के लिए क्षेत्रीय विविधीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

स्लोन इन्फोसिस्टम्स लिमिटेड का वित्त वर्ष 24 का शुद्ध लाभ 461 प्रतिशत बढ़ा और शुद्ध लाभ मार्जिन में 443 बीपीएस की वृद्धि

मुंबई, एजेंसी। आईट क्लाउड सर्वर मैनेजमेंट तथा कॉरपोरेट आईटी उपकरण सेवाओं सहित आईटी हार्डवेयर सॉल्यूशंस और आईटी सेवाओं में सुविज्ञता रखने वाली कंपनी, स्लोन इन्फोसिस्टम्स लिमिटेड (स्लोन एनएसई इन्योस्मा01017) ने हाल में वित्त वर्ष 24 की दूसरी छमाही और वित्त वर्ष 24 के अपने ऑडिटेड बिकतिया परिणाम की घोषणा की है. वित्त वर्ष 24 की कुल आय 98.43 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 61.07 करोड़ हुई . एबिटडा 265.53 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 6.86 करोड़ हुआ .एबिटडा मार्जिन 513 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 11.23 प्रतिशत हुई .कर बाद लाभ 460.80 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 4.19 करोड़ हुआ .कर बाद लाभ मार्जिन 443 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 6.86 प्रतिशत हुई .ईपीएस 307.41 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 16.5 हुई। वित्त वर्ष 24 की दूसरी छमाही में कुल आय 180.15 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 40.63 करोड़ हुई . एबिटडा 283.14 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 3.48 करोड़ हुआ . एबिटडा मार्जिन 230 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 8.57 प्रतिशत हुई . कर बाद लाभ 573.27 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 2.06 करोड़ हुआ . कर बाद लाभ मार्जिन 296 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 5.07 प्रतिशत हुई . ईपीएस 389.16 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 8.12 हुई।

इंस्टॉलेशन सर्विसेज नामक नए वर्टिकल के इनकॉरपोरेशन से हमारी वार्षिक आय में प्रभावशाली 98.43 प्रतिशत की वृद्धि हुई.

प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए स्लोन इन्फोसिस्टम्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर , श्री राजेश श्रीचंद खन्ना ने कहा, ÷हम हमारे उत्कृष्ट वार्षिक परिणाम की घोषणा करते हुए रोमांचित है.यह हमारी टीम के हार्ड वर्क, समर्पण और इनोवेशन की भावना का प्रमाण है.एक साथ मिलकर हमने उम्मीद से बढ़कर प्रदर्शन कर नए सीमाचिन्ह स्थापित करते हुए उल्लेखनीय ग्रोथ और सफलता हासिल की है.

पिछले 6 महीने में हमने वर्ष की प्रथम छमाही की तुलना में नए क्लाइंट प्राप्त करने में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है. नए वर्टिकल के इजाफे, जिसने हमारी आय में वृद्धि करने में सीधा योगदान दिया है, से यह ग्रोथ शानदार रही है. कंपनी ने पब्लिक को 79 (10 सम भाव पर) आईपीओ के मार्फत 14 लाख इक्विटी शेयर्स का फ्रेश इश्यू किया है और कंपनी के शेयर 10 मई , 2024 को एनएसई पर लिस्ट हुए.

ये व्यूहात्मक पहल हमारे ग्रोथ मोमेंटम को बरकरार रखने और हमारी बाजार उपस्थिति बढ़ाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है जिससे हमारे स्टेकाधारकों के लिए दीर्घकालीन वैल्यू क्रिएशन सुनिश्चित होता है.

खास खबर

नॉर्वे शतरंज- वैशाली ने क्रैमलिंग को हराया, प्रज्ञानानंदा हारे

स्टवांगर (नॉर्वे) (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने स्वीडन की अनुभवी ग्रैंडमास्टर पिया क्रैमलिंग को हराकर नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा, लेकिन उनके भाई आर प्रज्ञानानंदा चौथे दौर में अमेरिका के हिकारू नाकामुरा से हार गए। वैशाली की क्लासिकल वर्ग में यह दूसरी जीत है और उन्होंने 2.5 अंक की मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। इस भारतीय खिलाड़ी के कुल 8.5 अंक हो गए हैं। उनके बाद महिला विश्व चैंपियन चीन की वेनजुन जू और यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं।

मुजिचुक ने भारत की कोनेरू हंपी को हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की, जबकि वेनजुन ने आर्मगेडन में अपनी हमवतन टिंगजी लेई को हराया। छह खिलाड़ियों के बीच दोहरे राउंड रोबिन आधार पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में अभी छह दौर की बाजियां खेली जानी बाकी हैं। लेई पांच अंक लेकर चौथे स्थान पर हैं। हंपी और क्रैमलिंग के तीन-तीन अंक हैं।

पुरुष वर्ग में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने अमेरिका के अपने चिर प्रतिद्वंद्वी फैबियानो कारूआना के को हराया। पुरुष वर्ग में इस दिन सभी मैच का परिणाम निकला। भारतीय स्टार प्रज्ञानानंदा को जहां नाकामुरा से हार का सामना करना पड़ा वहीं फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा ने चीन के मौजूदा विश्व चैंपियन डिंग लीरेन को हराया।

इस 1,61,000 डालर इनामी इस प्रतियोगिता में चौथे दौर के बाद नाकामुरा सात अंक लेकर शीर्ष पर बने हुए हैं। वह अलीरेजा से आधा अंक आगे हैं। कार्लसन के 6 अंक हैं और वह तीसरे स्थान पर हैं जबकि प्रज्ञानानंदा 5.5 अंक के साथ चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। कारूआना पांच अंकों के साथ पांचवें जबकि लीरेन केवल 2.5 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर हैं।

टी20 विश्व कप

पूरन-पॉवेल के अर्धशतक, वेस्टइंडीज ने अभ्यास मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराया

पोर्ट आफ स्पेन (एजेंसी)। निकोलस पूरन और रोवमैन पॉवेल के अर्धशतकों की मदद से वेस्टइंडीज ने नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रही आस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप से पहले अभ्यास मैच में 35 रन से हराया। ऑस्ट्रेलिया ने नामीबिया के साथ पहले अभ्यास मैच के बाद एक बार फिर नौ खिलाड़ियों को ही उतारा। चयनकर्ता जॉर्ज बेली और कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने फील्डिंग के दौरान ही पूरी टीम उतारी। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने पूरन के 25 गेंद में 75 रन (पांच चौके, आठ छक्के) और कप्तान पॉवेल के 25 गेंद में 52 रन (चार चौके, चार छक्के) की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 257 रन बनाये । शेरफान रदरफोर्ड ने 18 गेंद में नाबाद 47 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया के लिये जोश इंगलिस ने 30 गेंद में 55 रन और नाथन एलिस ने 22 गेंद में 39 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलियाई टीम सात विकेट पर 222 रन ही बना सकी। आस्ट्रेलिया को कप्तान पैट कमिंस, ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, कैमरन ग्रीन और ट्रेविस हेड की कमी खली जो अभी तक आईपीएल खत्म होने के बाद यहां पहुंचे नहीं हैं।

टी20 विश्व कप में भाग लेने वाले यह हैं सभी टीमें

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्व कप शनिवार एक जून से शुरू हो रहा है जो 29 जून तक चलेगा। भारत अपना एक मात्र प्रैक्टिस मैच खेलेगा जबकि मेन इन ब्लू अपना एकमात्र अभ्यास मैच एक जून को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। वहीं भारत अपने अभियान की शुरूआत 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ न्यूयॉर्क के नवनिर्मित नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में शुरू करेगा। इस बीच, भारत और पाकिस्तान के बीच सबसे प्रतीक्षित ब्लॉकबस्टर मुकाबला 9 जून को होगा। बाद में वे अपने ग्रुप ए मैचों को समेटने के लिए टूर्नामेंट के सह-मेजबान यूएसए (12 जून) और कनाडा (15 जून) से खेलेंगे। आइए एक बार सभी टीमों पर नजर डाल लेते हैं -

भारत - रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

रिजर्व - शुभमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद, आवेश खान।

अफगानिस्तान - राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, अजमतुल्लाह उमरजई, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद इशाक, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नैब, करीम जनत, नांग्याल खारोटी, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, नवीन-उल-हक, फजलहक फारूकी, फरीद अहमद मलिक।

रिजर्व सेदिक अटल, हजरतुल्लाह जजई, सलीम सफी।

ऑस्ट्रेलिया - मिशेल मार्श (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर, एडम जाम्पा।

रिजर्व- जेक फ्रेजर-मैकगर्क, मैट शॉर्ट।

बांग्लादेश - नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्या सरकार, तंजीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदोय, महमूद उल्लाह रियाद, जैकर अली अनिक, तनवीर इस्लाम, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरीफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब।

रिजर्व - अफीफ हुसैन, हसन महमूद।

कनाडा - साद बिन जफर (कप्तान), आरोन जॉनसन, रविंदरपाल सिंह, नवनीत धालीवाल, कलीम सना, दिलोन हेलीगर, जेरेमी गॉर्डन, निखिल दत्ता, परगट सिंह, निकोलस किरटन, रेयानखान पठान, जुनैद सिद्दीकी, दिलप्रीत बाजवा, श्रेयस मोव्वा, ऋषिव जोशी।

रिजर्व - तजिंदर सिंह, आदित्य वरदराजन, अम्मार खालिद, जतिंदर मथारू, परवीन कुमार।

इंग्लैंड - जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, जोफा आर्चर, जोनाथन बेयरस्टो, हैरी ब्रुक, सैम कुरेन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक्स, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपले, मार्क वुड।

आयरलैंड - पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, एंड्रयू बालबर्नी, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, ग्राहम ह्यूम, जोश लिटिल, बैरी मैकार्थी, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोरकन टकर, बेन व्हाइट, क्रेग यंग।

नामीबिया - गेरहार्ड इरास्मस (कप्तान), ज़ेन ग्रीन, माइकल वैन लिंगेन, डायलन लीचर, रूबेन ट्रम्पेलमैन, जैक ब्रासेल, बेन शिकोंगो, टैंगेनी लुंगामेनी, निको डेविन, जेजे स्मिट, जान फ्रिलिंक, जेपी कोट्ज, डेविड विसे, बर्नार्ड शोल्ट्ज, मालन क्रूगर, पीडी ब्लिगनॉट।

नेपाल - रोहित पौडेल (कप्तान), आसिफ शेख, अनिल कुमार साह, कुशल भुर्टेल, कुशल मल्ला, दीपेंद्र सिंह ऐरी, ललित राजबंशी, करण केसी, गुलशन झा, सोमपाल कामी, प्रतिस जीसी, संदीप जोरा, अविनाश बोहरा, सागर ढकाल, कमल सिंह ऐरी।

नीदरलैंड - स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), आर्यन दत्त, बास डी लीडे, काइल क्लेन, लोगान वैन बीक, मैक्स ओडॉड, माइकल लेविट, पॉल वैन मीकेरेन, रयान क्लेन, साकिब जुल्फिकार, साइब्रांड एंजेलब्रेच, तेजा निदामनुरु, टिम प्रिंगल, विक्रम सिंह, विव किंगमा, वेस्ले बैरेसी।

रिजर्व- रयान क्लेन।

न्यूजीलैंड - केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलन, ट्रेंट बोल्ट, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिशेल, जिमी नीशाम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउथी।

रिजर्व - बेन सियर्स।

ओमान - आकिब इलियास (कप्तान), जीशान मकसूद, कश्यप प्रजापति, प्रतीक अठावले, अयान खान, शोएब खान, मोहम्मद नदीम, नसीम खुशी, मेहरान खान, बिलाल खान, रफीउल्लाह, कलीमुल्लाह, फैयाज बट, शकील अहमद, खालिद कैल।

रिजर्व - जतिंदर सिंह, समय श्रीवास्तव, सुफियान महमूद, जय ओडेड्रा।

पापुआ न्यू गिनी-असदुल्ला वाला (कप्तान), एली नाओ, चाड सोपर, सीजे अमिनी, हिला वेरे, हिरी हिरी, जैक गार्डनर, जॉन कारिको, कबुआ वागी मोरिया, किपलिंग डोरिगा, लेगा सियाका, नॉर्मन वनुआ, सेमा कामिया, सेसे बाउ, टोनी उरा।

पाकिस्तान - बाबर आजम (कप्तान), अबरार अहमद, आजम खान, फखर जमान, हारिस रऊफ, इफ्तिखार अहमद, इमाद वसीम, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद रिजवान, नसीम शाह, सैम अयूब, शादाब खान, शाहीन शाह अफरीदी, उस्मान खान।

स्कॉटलैंड - रिची बेरिंगटन (कप्तान), मैथ्यू क्रॉस, ब्रैड करी, क्रिस ग्रीव्स, ओली हेयर्स, जैक जार्विस, माइकल जोन्स, माइकल लीस्क, ब्रैंडन मैकमुलेन, जॉर्ज मुन्से, सफ्यान शरीफ, क्रिस सोल, चार्ली टियर, मार्क वाट, ब्रैड व्हील।

दक्षिण अफ्रीका - एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्जी, क्विंटन डी कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नोर्किया, कागिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स।

श्रीलंका - वानिंदु हसरंगा (कप्तान), चरिथ असलांका, कुसल मेंडिस, पथुम निसांका, कामिंडु मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, एंजेलो मैथ्यूज, दासुन शनाका, धनंजय डी सिल्वा, महेश थीक्षाना, दुनीथ वेल्लालेज, दुशमंथा चमीरा, नुवान तुषारा, मथेशा पथिराना, दिलशान मदुशंका।

रिजर्व- असिथा फर्नांडो, विजयकांत व्यासकांथ, भानुका राजपक्षे, जनिथ लियानागे।

युगांडा - ब्रायन मसाबा (कप्तान), साइमन सेसाज़ी, रोजर मुकासा, कॉसमास क्येवता, दिनेश नाकरानी, ??फ्रेड अचेलम, केनेथ वैसवा, अल्पेश रामजानी, फ्रैंक न्सुबुगा, हेनरी सेन्योंडो, बिलाल हसन, रॉबिन्सन ओबुया, रियाज़त अली शाह, जुमा मियाजी, रोनक पटेल।

रिजर्व- इनोसेंट म्वेबेज़, रोनाल्ड लुटाया।

अमेरिका - मोनंक पटेल (कप्तान), आरोन जोन्स, एंड्रीज़ गौस, कोरी एंडरसन, अली खान, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, मिलिंद कुमार, निसर्ग पटेल, नितीश कुमार, नोशतुश केंजीगे, सौरभ नेत्रलवकर, शैडली वैन शल्कविक, स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर।

रिजर्व - गजानंद सिंह, जुआनॉय ड्रिस्डेल, यासिर मोहम्मद।

वेस्टइंडीज-रोवमैन पॉवेल (कप्तान), अल्जारी जोसेफ, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, शाई होप, अकील होसेन, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोटी, निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड।

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में दोहरा शतक लगाने का दम रखते हैं ये 5 बल्लेबाज

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी20 इंटरनेशनल में दोहरा शतक हासिल करना अविश्वसनीय उपलब्धि है जो अभी तक अधूरी है। ऐसे कई प्लेयर्स है जोकि अपने असाधारण कौशल, शक्ति और निरंतरता के कारण इस आयाम को पाने के करीब पहुंचे है। तेजी से बदलती क्रिकेट में अब ऐसे हालात यह है कि इस बड़े रिकॉर्ड तब पहुंचने में कई क्रिकेटर सक्षम होते नजर आ रहे हैं। आगामी टी20 विश्वकप के दौरान भी कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं जो यह अविश्वसनीय उपलब्धि हासिल करने का मादा रखते हैं। आइए जानते हैं इन विस्फोटक बल्लेबाजों के बारे में-

विल जैक्स (इंग्लैंड)

इंग्लैंड के धुरंधर बल्लेबाज विल जैक्स टी20 क्रिकेट में 158.66 की स्ट्राइक रेट से 149 पारियों में 4000 से अधिक रन बना चुके हैं। आंकड़ों के मुताबिक न्यूनतम 1000 गेंदों का सामना कर सबसे अच्छा पॉवरप्ले स्ट्राइक रेट (164.21) उनका है। पावरप्ले के दौरान फील्ड प्रतिबंधों का फायदा उठाने की जैक की क्षमता और बाउंड्री ढूंढने में उनकी निरंतरता उन्हें इंग्लैंड के लिए एक प्रमुख खिलाड़ी बनाती है।

फिन एलन (न्यूजीलैंड)

न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन की 163.6 की स्ट्राइक रेट है। वह पिछले कुछ समय से तेजी से रन बना रहे हैं। उनके नाम पहले से ही दो टी20 शतक हैं और उन्होंने तेजी से बड़े रन बनाने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। निडर बल्लेबाजी करने की क्षमता के कारण एलन आगामी विश्व कप में दोहरा शतक बना सकते हैं। न्यूजीलैंड भी पहली बार टी20 विश्व कप जीतना चाहेगा।

रोहित शर्मा (भारत)

रोहित के लिए बड़े स्कोर बनाना नई बात नहीं है। उनके नाम पर वनडे फार्मेट में 3 दोहरे शतक दर्ज हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने पांच शतक बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट लगभग 140 है। रोहित पारी को गति देने की क्षमता और अपनी पावर-हिटिंग क्षमताओं के कारण टी20 क्रिकेट में विशेष दर्जा रखते हैं। उनका अनुभव और नेतृत्व भारत के लिए महत्वपूर्ण होगा और दोहरे शतक के साथ इतिहास रचने की उनकी क्षमता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

रयान रिकेलटन (दक्षिण अफ्रीका)

हालिया साऊथ अफ्रीका टी20 लीग में 170 की जबरदस्त स्ट्राइक रेट के साथ रिकेल्टन ने रन बनाए थे। अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में आक्रामक बल्लेबाजी शैली और तेजी से रन बनाने की दक्षता के कारण वह दक्षिण अफ्रीका को आगे ले जाने का दम रखते हैं। रिकेल्टन का निडर दृष्टिकोण और दबाव में उच्च स्ट्राइक रेट बनाए रखने की क्षमता उन्हें टी20 क्रिकेट में दोहरा शतक बनाने की क्षमता वाले खिलाड़ियों की कतार में आगे रखती है।

कुशल मल्ल (नेपाल)

नेपाल के युवा और विस्फोटक बल्लेबाज कुशल मल्ला 50 गेंदों पर 137* रन की शानदार पारी खेलकर चर्चा में आए थे। मल्ला का 167 का स्ट्राइक रेट है जोकि विपक्षी पर हावी होने की उनकी क्षमता को और बढ़ा देता है। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी शैली और सीमाओं को पार करने में उनकी दक्षता उन्हें नेपाल के लिए संभावित गेम-चेंजर बनाती है। मल्ला में टी20 क्रिकेट में दोहरा शतक बनाने की क्षमता है।

यही तो जीत का मंत्र है... रोहित शर्मा ने मान ली सुरेश रैना की बात तो टी20 विश्व कप होगा अपना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज सुरेश रैना का मानना है टी20 विश्व कप में भारत को बेखौफ क्रिकेट खेलना चाहिए। इसके साथ ही रैना ने टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन कैसी होनी चाहिए इसे लेकर भी सलाह दी। रैना ने कहा कि टी20 विश्व कप में टीम इंडिया के प्लेइंग इलेवन में यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे दोनों को जगह मिलना चाहिए। खब्बू बल्लेबाज रैना ने शुक्रवार को अमेरिका और वेस्टइंडीज की धीमी पिचों पर विराट कोहली टीम के लिए तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए ज्यादा कारगर होंगे।

रैना ने कहा, मैं पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही टी20 सीरीज देख रहा था। इसमें इंग्लैंड की टीम बेखौफ क्रिकेट खेल रही थी। इस प्रारूप में कुछ भी संभव है। यह बेखौफ होकर खेलने वाला प्रारूप है। जो बेखौफ खेलेगा वही जीतेगा।

सुबह के मैचों में हो सकती है परेशानी

भारतीय टीम के लिए 78 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 29.18 की औसत से 1605 रन बनाने वाले रैना ने कहा, अमेरिका में सबसे बड़ी चुनौती समय के साथ सामंजस्य बैठाने की होगी। हमें सुबह 10 बजे से मैच खेलने हैं और हम सफेद गेंद से इतनी सुबह खेलने के आदी नहीं है। यह थोड़ा चुनौती पूर्ण होगा। वहां की पिचों भी धीमी होंगी। रैना ने एक सवाल के जवाब में कहा कि टीम की प्लेइंग इलेवन में जायसवाल और दुबे दोनों को जगह मिलनी चाहिए लेकिन इसके लिए कप्तान को कुछ कठिन फैसले लेने होंगे। उन्होंने कहा, मैं चाहूंगा कि जायसवाल टीम में हो। विराट को तीसरे क्रम पर खेलना चाहिए। वहां की पिचें धीमी होगी ऐसे में आपको दौड़कर रन चुराने वाले एक बल्लेबाज की जरूरत होगी।

कोच को बुद्धिमानी से चुनें- सौरव गांगुली का टीम इंडिया के कोच पर ट्विट चर्चा में

नईदिल्ली (एजेंसी)। सौरव गांगुली ने सोशल मीडिया पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के अगले मुख्य कोच का चयन समझदारी से करने की चेतावनी दी है। भारत के पूर्व कप्तान और बीसीसीआई अध्यक्ष ने कोच के महत्व को उजागर करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। उन्होंने पोस्ट किया- किसी के जीवन में कोच का महत्व, उनका मार्गदर्शन और निरंतर प्रशिक्षण किसी भी व्यक्ति के भविष्य को आकार देते हैं, मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह। इसलिए कोच और संस्थान का चुनाव सोच-समझकर करेंज।

माना जा रहा है कि गौतम गंभीर भारतीय क्रिकेट टीम के अगले मुख्य कोच हो सकते हैं। अभी राहुल द्रविड़ कोच है जिन्हें कि अक्टूबर-नवंबर में 50 ओवर के विश्व कप के बाद छह महीने का विस्तार दिया गया था। द्रविड़ का अनुबंध अगले

महीने टी20 विश्व कप के बाद समाप्त हो रहा है। पूर्व भारतीय कप्तान के पास इस पद के लिए दोबारा आवेदन करने का विकल्प है लेकिन समझा जाता है कि वह आवेदन करने के इच्छुक नहीं हैं। बहरहाल, रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स को तीसरी आईपीएल ट्रॉफी दिलाने के बाद सबकी नजरें गंभीर पर है। माना जा रहा है कि गंभीर को भारतीय टीम का मुख्य कोच पद ऑफर किया गया है। गंभीर की नेतृत्व क्षमता किसी से छिपी नहीं है। वह 2011 में आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी करते हुए टीम को प्लेऑफ तक ले गए थे। इसके बाद 2012 और 2014 में उन्होंने दो खिताब भी दिलाए। 2016 और 2017 में वह फिर प्लेऑफ में पहुंचे। 2018 में दिल्ली कैपिटल्स में आ गए और इसके बाद आईपीएल से संन्यास ले लिया।

दक्षिण अफ्रीका के साथ घरेलू श्रृंखला के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के साथ आगामी घरेलू श्रृंखला के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में जेमिमाह रॉड्रिग्स और ऑलराउंडर पूजा वस्त्रकर को तीनों प्रारुपो की टीम में नामित किया गया है, लेकिन उनका चयन फिटनेस पर निर्भर होगा। दक्षिण अफ्रीका के साथ अभ्यास मैच सहित तीनों प्रारुपों में 13 जून से नौ जुलाई तक मैच खेले जाएंगे। अनकैप्ड विकेटकीपर-बल्लेबाज उमा छेत्री को यास्तिका भाटिया की जगह तीनों प्रारुपों की टीमों में शामिल किया गया है। भाटिया बंगलादेश में केवल एक टी-20 मैच खेलने के बाद चोटिल हो गई थीं। छेत्री 2023 में एशियन गेम्स के दौरान स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं। शीर्ष क्रम की बल्लेबाज प्रिया पुनिया को भी टेस्ट टीम में शामिल किया गया। वह आखिरी बार जुलाई 2023 में भारतीय टीम का हिस्सा थीं। मध्यम गति की गेंदबाज अरुंधति रेड्डी को भी टेस्ट और एकदिवसीय टीम में बुलाया गया है। उन्होंने अब तक 26 टी-20 मैच खेले हैं। बंगलादेश के खिलाफ टी-20 के साथ-साथ आखिरी एकदिवसीय और टेस्ट मैचों में टीम (पिछले वर्ष ऑस्ट्रेलिया के साथ) का हिस्सा रही तेज गेंदबाज तितास साधु को मौका नहीं दिया गया है। लेगस्पिनर एस आशा ने एक सफल डब्ल्युपीएल सीजन के बाद बंगलादेश में अपना टी-20 में पर्दापण किया था। अब उन्हें एकदिवसीय टीम में भी मौका दिया गया है। वहीं डी हेमलता बांग्लादेश में उसी टी-20 श्रृंखला में वापसी की थी। अब लगभग दो साल बाद उन्होंने एकदिवसीय टीम में भी वापसी कर ली है। उल्लेखनीय है कि जेमिमाह पीठ की चोट के कारण

अप्रैल-मई में बंगलादेश में पांच मैचों की टी-20 सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाई थीं। उस से समय वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में स्वास्थ्य लाभ ले रही थीं। हालांकि पूजा ने बंगलादेश में सभी पांच मैच खेले थे और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोड (बीसीसीआई) के मीडिया बयान में उनकी चोट की प्रकृति के बारे में कुछ नहीं बताया गया है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले इस सीरीज में सबसे पहले तीन एकदिवसीय मैच खेले जाएंगे। इसके बाद एकमात्र टेस्ट और फिर तीन टी-20 मैचों की सीरीज होगी। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका की टीम बेंगलुरु एक अभ्यास मैच भी खेलेगी।

भारत की तीनों प्रारुपों की टीमें

वनडे टीम - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मांधना (उप-कप्तान), शेफ़ाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमाह रॉड्रिग्स (फिटनेस के आधार पर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), दयालन हेमलता, राधा यादव, आशा शोभना, श्रेयंका पाटिल, साइका इशाक, पूजा वस्त्रकर (फिटनेस के आधार पर), रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, प्रिया पुनिया

टेस्ट टीम - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मांधना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, शुभा सतीश, जेमिमाह रॉड्रिग्स (फिटनेस के आधार पर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, साइका इशाक, राजेश्वरी गायकवाड़, पूजा वस्त्रकर (फिटनेस के आधार पर), अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, मेघना सिंह और प्रिया पुनिया

टी20 टीम - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मांधना (उप कप्तान), शेफाली वर्मा, दयालन हेमलता, उमा छेत्री (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), जेमिमाह रॉड्रिग्स (फिटनेस के आधार पर), साजना सजीवन, दीप्ति शर्मा, श्रेयंका पाटिल, राधा यादव, अमनजोत कौर, आशा शोभना, पूजा वस्त्राकर (फिटनेस के आधार पर), रेणुका सिंह ठाकुर और अरुंधति रेड्डी।

पेंसिल और इरेज़र के इस संवाद से हमें प्रेरणा मिलती है कि हमारे माता-पिता इरेज़र और बच्चे पेंसिल की तरह हैं। माता-पिता अपने बच्चों की गलतियों को सुधारने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। माता-पिता को संतुष्ट करने वाले को परब्रह्म भी प्रसन्न रखते हैं। माता-पिता को कभी दु:खी न करें।

बच्चों का व्यक्तित्व विकास कैसे हो

पेंसिल ने इरेज़र (रबर) से कहा, मुझे माफ़ कर दो
इरेज़र ने कहा, तुम ऐसा क्यों कह रहे हो
पेंसिल बोली, मेरे कारण तुम्हें बहुत कष्ट झेलना पड़ता है। जब भी मैं कोई गलती करती हूं तो तुम उसे सुधारने के लिए भागे आते हो। मेरी गलतियों के निशानों को मिटाते-मिटाते तुम्हें स्वंय का बलिदान देना पड़ता है। तुम छोटे और छोटे होते-होते स्वंय का अस्तित्व ही खो देते हो। इरेज़र ने कहा, तुम्हारा कहना उचित है मगर मुझे स्वंय का अस्तित्व खोने का कोई दुख नहीं है क्योंकि मेरा जन्म ही तुम्हारी गलतियों को सुधारने के लिए हुआ है। अगर मैं तुम्हारी गलतियों को नहीं मिटाता तो तुम्हारे पास मेरे जैसा कोई और आ जाएगा। मैं अपने जीवन से बहुत खुश हूं। मुझे कोई शिकायत नहीं है। मेरी चिंता मत करो। तुम्हारे चेहरे पर मायूसी अच्छी नहीं लगती।
पेंसिल और इरेज़र के इस संवाद से हमें प्रेरणा मिलती है कि हमारे माता-पिता इरेज़र और बच्चे पेंसिल की तरह हैं। माता-पिता अपने बच्चों की गलतियों को सुधारने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। माता-पिता को संतुष्ट करने वाले को परब्रह्म भी प्रसन्न रखते हैं। माता-पिता को कभी दु:खी न करें।
माता-पिता बच्चों के लिए बहुत कष्ट सहते हैं। बच्चों का बचपन अच्छा व्यतीत हो, उन्हें अच्छी शिक्षा प्राप्त हो, इसके लिए वे प्रयासरत रहते हैं परंतु कुछ बच्चे माता-पिता को पलटकर उत्तर देते हैं जिससे माता-पिता का मन दुखी होता है । बच्चों द्वारा पलटकर उत्तर देकर माता-पिता को दुःखी करना, ईश्वर को दु:खी करने के समान है। बच्चों इससे बचने के लिए माता-पिता से प्रेमपूर्वक व्यवहार करें तथा उनके प्रति कृतज्ञ रहें।
माता-पिता और बच्चों का व्यवहार सदैव मित्राचारी का होना चाहिए। यदि माता-पिता बच्चों के साथ डांट कर या मार कर व्यवहार करेंगे तो बच्चे निश्चित ही उनका कहा नहीं मानेंगे और गलत रास्ते पर चल पड़ेंगे। माता-पिता के उच्च संस्कार ही घर में आनंद और शान्ति का माहौल बनाते हैं।

बनें स्मार्ट बागबान...

याद है, वो सर्द शाम की तल्खी दूर करने के लिए तुलसी की चाय पीना? या किसी ठिठुरती सुबह घर के बडे बुजुर्ग के हाथों भुने हुए आलू के जायके की सौगात मिलना? ताजी सब्जियों और ह?र्ब्स के बिना सर्दियों का मजा अधूरा है। लेकिन कई बार बाहर से खरीदी गई सब्जियां ताजी नहीं होतीं और कई बार महंगाई के चलते इन्हें खरीदना जेब पर भारी पडता है। ऐसे में क्यों न अपने घर के किसी कोने में ही किचन गार्डेन बना लिया जाए। थोडी सी मेहनत और टाइम मैनेजमेंट आपको आपकी पसंदीदा सब्जियां आसानी से उपलब्ध करा सकती है।

क्या उगाएं

किचन गार्डेनिंग करने के लिए सबसे पहले यह तय करें कि आपके किचन में किन सब्जियों और हर्ब्स की खपत सबसे ज्यादा है। मसलन, अगर आपके घर के ज्यादातर लोग कम तीखा खाना खाते हैं, तो मिर्च के पौधे लगाने का कोई फायदा नहीं है। घर पर उगाई जाने वाली सब्जियों में मुख्य तौर पर तीन श्रेणियां हैं। पहली है लीफी वेजटेबल्स जिनमें पत्तागोभी, पालक, धनिया, ब्रॉकली, लेट्यूस, जुकिनी आदि सब्जियां आती हैं, दूसरी है विभिन्न प्रजातियों की शिमला मिर्च, तीसरी है रूट वेजटेबल्स जैसे शलगम, चुकंदर, गाजर, मूली और चौथी हैं ह?र्ब्स जैसे करीपत्ता, पार्सले और तुलसी। जी हां बैंगन और हरी मिर्च के पौधे किसी भी मौसम में उगाए जा सकते हैं, वहीं हरी मटर और चेरी टमाटर जैसे पौधे सर्दियों में उगाना ज्यादा मुफीद रहता है।

स्पेस मैनेजमेंट

किचन गार्डेन के लिए जगह का सही चुनाव और इस्तेमाल भी अहम है। अगर आप अपर फ्लोर पर रहते हैं और बालकनी में किचन गार्डेन बनाना चाहते हैं, तो गमलों या प्लांटेशन ट्रे का साइज और संख्या जगह की उपलब्धता के हिसाब से चुनें। उदाहरण के तौर पर अगर आपकी बालकनी में 5/10 फीट की जगह खाली है, तो आप यहां 45/15 सेंमी के चार ट्रे तक लगा सकती हैं। कम जगह में ज्यादा पौधे लगाने की गलती न करें। वरना उन्हें जरूरी पोषण नहीं मिल पाएगा। एक और खास बात यह है कि किचन गार्डेन की लोकेशन के हिसाब से वहां की समस्याएं भी अलग होती हैं, जिनसे निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। मसलन ग्राउंड फ्लोर के किचन गार्डेन में जानवरों और रोडेंट्स का खतरा होता है। इसी तरह बालकनी और टेरेस के किचन गार्डेन में मिट्टी के पोषक तत्व और धूप पर्याप्त मात्रा में न मिलने जैसी समस्याएं होती हैं। ऐसे में अगर आप ग्राउंड फ्लोर पर किचन गार्डेन बना रही हैं, तो फेंसिंग के पुख्ता इंतजाम करें। और बालकनी या टेरेस में किचन गार्डेन बना रही हैं, तो गमलों और प्लांटेशन ट्रेज को ऐसी दिशा में रखें कि उन्हें ज्यादा से ज्यादा सूरज की रोशनी मिले।

ज्यादा देखभाल खतरनाक

पौधों की जरूरत से ज्यादा देखभाल करना भी कई बार खतरनाक साबित होता है। पौधों को दिन में दो बार पानी देना पर्याप्त है। जरूरत से ज्यादा पानी देने पर पौधों के गलने का खतरा रहता है। यही बात कीटनाशकों के इस्तेमाल पर भी लागू होती है। पत्तियों पर निशान होने का मतलब हमेशा यह नहीं होता कि उनमें कोई बीमारी पनप रही है। इसी तरह हर कीट पौधों को नुकसान पहुंचाने वाला ही नहीं होता। कई कीट पौधों के लिए लाभदायक भी होते हैं।

घरेलू नुस्खे आजमाएं

जिस तरह हम कोई बीमारी हो जाने पर पहले घरेलू नुस्खे आजमाते हैं, उसी तरह पौधों को कीडी लग जाने या बीमारी होने पर कुछ विशेष घरेलू नुस्खे बेहद कारगर साबित होते हैं। जैसे, पौधों में कीडे लग जाने पर नीम का तेल स्प्रे करने से फायदा होता है। पौधों में कोई बीमारी होने पर सबसे पहले उनमें हल्दी पाउडर डालें। कीडों से निजात पाने के लिए बीटी पाउडर भी डाल सकते हैं।

गलत सलाह से बचें

बागबानी का सामान बेचने वाले अकसर ज्यादा मात्रा में उत्पाद बेचने के लालच में लोगों को गलत जानकारी दे देते हैं। पौधों की किसी बीमारी का उपचार करने के लिए अगर केमिकल कीटनाशक का इस्तेमाल जरूरी हो तो विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें। अगर विशेषज्ञ ने एक लीटर पानी में दो एमएल दवा डालने को कहा है, तो इसी अनुपात में पौधों में दवा डालें। रोग जल्दी ठीक करने के चक्कर में एक लीटर पानी में दस एमएल दवा न डाल दें क्योंकि यह पौधे से उपजने वाली सब्जियों को हानिकारक बना देगा।

फटाफट टिप्स

- अगर आपने पहली बार किचन गार्डेन बनाया है और आपके लगाए 8-10 में से 4-5 पौधे ही जिंदा रहें, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। आपमें लगन होगी तो साल दर साल आपकी बगिया के पौधों की संख्या बढती ही जाएगी।
- सर्दियों के मौसम में बीजों के रोपण का सही समय 15 अक्टूबर से 15 नवंबर तक होता है। वहीं अगर नर्सरी से पौधे लाकर लगा रही हैं, तो 15 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच का समय उपयुक्त है।
- खाद देना बागबानी का एक अहम पहलू है। खाद हमेशा 3:1 के अनुपात में डालें। यानी तीन हिस्सा मिट्टी पर एक हिस्सा खाद।

मशरूम वॉलवॉ

1-2 व्यक्तियों के लिए
सामग्री - 250 ग्राम मशरूम कटा हुआ, 50 ग्राम प्याज बारीक कटा हुआ, 50 ग्राम लीक्स बारीक कटी हुई, 50 ग्राम सेलरी बारीक कटी हुई, 50 ग्राम गाजर बारीक कटी हुई, 50 ग्राम गाजर बारीक कटी हुई, पार्मेजान चीज कसा हुआ, 100 मिली. क्रीम, 2 पफ पेस्ट्री वॉलवॉ, 2 डंडियां पार्सले, स्वादानुसार नमक व काली मिर्च पाउडर।
विधि - 1. एक पैन में सब्जियां डालकर भूनें। नमक, काली मिर्च व क्रीम डालकर नर्म होने तक पकाएं, लेकिन सूखने न पाए। 2. अब पार्मेजान चीज और पार्सले मिलाएं। 3. पफ पेस्ट्री को सुनहरा होने तक बेक करें। 4. अब पफ पेस्ट्री में मशरूम मिश्रण मिलाकर अवन में कुछ देर पकाएं। गरमागरम सर्व करें।

एपल मफिन

4-5 व्यक्तियों के लिए
सामग्री - 100 ग्राम सेब, 400 ग्राम मैदा, 80 ग्राम बादाम पाउडर, 400 ग्राम दही, 200 ग्राम तेल, 10 ग्राम सोडा, 400 ग्राम चीनी
विधि - 1. सेब को छीलकर बारीक काट लें। 2. फिर इसे शेष सामग्री के साथ मिलाकर मफिन कप में डालें। 3. अब 80 डिग्री सेंटीग्रेड पर पहले से गर्म अवन में 25-30 मिनट तक बेक करें।

थोड़ा सा रुमानी हो जाएं

मानव स्वभाव है कि उसे हमेशा कुछ नया और एक्साइटिंग चाहिए। जीवन में नीरसता न आए, इसके लिए वह हमेशा कुछ नया ढूंढता है। सेक्स संबंधों के लिए भी यही बात कही जा सकती है। थोडे से बदलाव रिश्तों में नई ऊर्जा पैदा कर सकते हैं।

अब वो बात नहीं रही..जिंदगी से जैसे रोमैंस गायब हो गया है..क्या करूं मूड ही नहीं होता..लाइफ बडी बोर हो गई है..। शादी के कुछ वर्ष बाद लाइफ को लेकर अमूमन लोगों की शिकायतें कुछ ऐसी ही होती हैं। यूं तो इसके कई कारण हो सकते हैं, मगर सबसे बडा कारण है- सेक्स संबंधों का रुटीन बन जाना। हम सभी जीवन के हर पहलू को बेहतर बनाने की कोशिशें करते हैं, लेकिन वैवाहिक जीवन को अच्छा और नया बनाने की कोशिशें थोडी कम होती हैं।
मानव स्वभाव है कि उसे हमेशा कुछ नया और एक्साइटिंग चाहिए। जीवन में नीरसता न आए, इसके लिए वह हमेशा कुछ नया ढूंढता है। सेक्स संबंधों के लिए भी यही बात कही जा सकती है। थोडे से बदलाव रिश्तों में नई ऊर्जा पैदा कर सकते हैं। इसके लिए न तो किसी हनीमून डेस्टिनेशन पर जाने की जरूरत है, न अनाप-शनाप पैसे खर्च करने की। बस अपने अंतरंग पलों को थोडा रोमैंटिक टच दें और अपने सेक्स जीवन में कुछ प्रयोग करें। सदाबहार रोमैंस का ख्वाब कैसे होगा पूरा, बता रही है सखी।

स्वाद की फैंटसी

कहते हैं, दिल का रास्ता पेट से होकर जाता है। (यकीन न हो तो फिल्म द लंच बॉक्स देख लें) स्वाद का संबंध पेट से ज्यादा ब्रेन से होता है। कुछ ऐसे स्वाद हैं, जो प्यार को गहराई देने में असरदार हैं। मूड बनाने के लिए डार्क चॉकलेट्स, स्ट्रॉबैरीज, ब्ल्यूबैरीज के गुणगान यूं ही नहीं होते। ऐसे कुछ शोध भी हुए हैं जो बताते हैं कि डार्क चॉकलेट का एक छोटा सा पीस रोज खाने से लो लिबिडो जैसी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। इसके अलावा कार्ब और प्रोटीन की संतुलित डाइट, हरी पत्तेदार सब्जियां, ड्राइ फ्रूट्स भी सेक्स डिजायर्स को बढाने में सहायक हैं। सेक्स एक्सपर्ट्स मानते हैं कि अच्छे सेक्स संबंधों के लिए अच्छी डाइट भी जरूरी है।

हॉट रेड

क्या आपने कभी सोचा है कि दुलहन हमेशा लाल जोडा क्यों पहनती है? दरअसल यह रंग प्रेम, ऊर्जा, जोश व युवावस्था का प्रतीक है। यह व्यक्तित्व को आकर्षक बनाता है। यूएस की रोचेस्टर यूनिवर्सिटी में हुए एक अध्ययन में पाया गया कि पुरुष लाल रंग के प्रति ज्यादा आकर्षित होते हैं। जर्नल ऑफ पर्सनैलिटी एंड सोशल साइकोलॉजी में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार अधिकतर पुरुषों ने माना कि वे पार्टनर को हॉट रेड में देखना चाहते हैं। पार्टनर का मूड बनाना हो तो बेडरूम में खूबसूरत रेड नाइट वेयर जरूर रखें।

इरॉटिक साहित्य

वास्तु-विशेषज्ञ और एक्सपर्ट्स कहते हैं कि बेडरूम में टीवी न रखें। मगर लगभग सभी इस बात से सहमत हैं कि बेडसाइड टेबल पर इरॉटिका लिटरेचर हो तो रोमैंस की संभावना बढ जाती है। एक साइकोथेरेपिस्ट मानती हैं कि घरेलू कार्यो, ऑफिस वर्कलोड और पेरेंटिंग के बीच पिसते आधुनिक दंपतियों के जीवन से सेक्स संबंध गायब होते जा रहे हैं। इसलिए उन्हें अपनी सेक्सुअल डिजायर्स को जगाने के लिए कुछ प्रॉप्स चाहिए। वह कहती हैं, इरॉटिक लिटरेचर के कुछ अंश पढने और पार्टनर को पढाने से बाहरी दबाव कम होता है और मूड बनता है। सेक्स के बारे में गंभीर और ईमानदार बातचीत के लिए मधुर संगीत और किताबों से बडा ल्युब्रिकेंट और कुछ नहीं है। यह अंतरंग रिश्तों को मजबूत बनाता है। एक-दूसरे से सेक्सुअल डिजायर्स बांटने का भी यह बेहतरीन तरीका है। तो देर न करें, अगर अभी तक अल्ट्रा पॉपुलर बुक फिफ्टी शेड्स ऑफ ग्रे नहीं पढी है तो खरीद लें।

खुशबू सी कोई महके

अपने नाइटस्टैंड में सेंटेड ऑयल्स और क्रीम्स रखें। बेडरूम में सेंसुअस मसाज के महत्व को न नकारें। भीनी-भीनी खुशबू के लिए अरोमा कैंडल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये मन को खुश करने वाले हॉर्मोस पैदा करती हैं। लिबिडो बूस्टिंग सेंट्स से इच्छाएं जगाने में मदद मिलती है। लेवेंडर-जैसमीन भी मन को सुकून देते हैं। वनिला, रोज या जिरेनियम का प्रयोग भी कर सकते हैं।

रोमैंटिक कॉर्नर

बेडरूम में रोमैंटिक कॉर्नर क्यों? इसका जवाब है, क्योंकि कभी-कभी सेक्स के इतर भी कुछ चाहिए। रोमैंस के कुछ ऐसे पल जो बॉण्डिंग मजबूत करें। बेडरूम में स्टाइलिश लवसीट या आर्मचेयर जरूर रखें और फुर्सत में अपने इस रोमैंटिक कॉर्नर का मजा लें। चाहे गपशप करें या फिर यूं ही खामोशी का आनंद लें पुराने दिनों की तरह। ..बेडरूम के माहौल को खूबसूरत बनाएं।
दिन भर की थकान मिटेगी और मूड अच्छा होगा। थोडा सा रूमानी हो जाएं, फिर देखें इश्क का जादू कैसे सिर चढ कर बोलता है।

जगाएं मखमली एहसास

बेडरूम का माहौल मूड बनाने में मददगार होता है। इंटीमेसी के लिए यहां कुछ ऐसी चीजें जरूर होनी चाहिए, जो मूड-बूस्टर का काम करें। कलर स्कीम ऐसी हो, जो सेक्सुअल डिजायर्स जगाने में मददगार हो। पर्सनल स्पेस को क्लटर-फ्री रखें। बेडरूम में टीवी या मिरर्स हों तो उन्हें कवर करें। ऑफिस फाइल्स यहां न रखें। इसके बजाय कुछ यादगार तसवीरें रखें। रोमैंटिक पेंटिंग्स या फोटो फ्रेम्स भी रख सकते हैं। बाहर का शोर और रोशनी भीतर न आए, इसके लिए कमरे को साउंडप्रूफ बना सकते हैं या पर्दे थोडे हेवी लें। मेट्रेसेज सॉफ्ट हों और सैटिन की शीट्स हों, ताकि कुछ मखमली एहसास जग सकें।

हाउस ऑफ लाइज से बॉलीवुड में वापसी को तैयार स्माइली सूरी

फिल्म कलयुग से लोगों के बीच खास पहचान बनाने वाली स्माइली सूरी जल्द ही फिल्म हाउस ऑफ लाइज में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में संजय कपूर ने भी अहम भूमिका निभाई है। हाल ही में एक बातचीत में अभिनेत्री ने शूटिंग के समय के अपने अनुभव साझा किए हैं।

स्माइली सूरी ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 2005 में आई फिल्म कलयुग से की थी। अपने भाई मोहित सूरी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उनके किरदार को काफी सराहा गया था। इसके बाद वे तीसरी आंख द हिडन कैमरा, ये मेरा इंडिया और क्रूक जैसी फिल्मों में नजर आई। फिल्मों के बाद उन्होंने छोटे पर्दे का भी रुख किया। वे जोधा अकबर और साल 2015 में नच बलिए शो में भी दिखीं। अभिनेत्री अब लंबे समय बाद ओटीटी से अभिनय की दुनिया में वापसी करने जा रही हैं।

15-20 दिन में हुई शूटिंग पूरी

वे जल्द ही हाउस ऑफ लाइज नाम की फिल्म में नजर आने वाली हैं। फिल्म पर बात करते हुए स्माइली ने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग उन्होंने अलीबाग में की 15-20 दिन में ही पूरी कर ली थी। अभिनेत्री ने कहा कि शूटिंग के दौरान संजय कपूर और ऋतुराज सिंह से उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला।

स्माइली ने की ओटीटी की तारीफ

अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म की टीम में ज्यादातर लोग नौजवान थे, जिनके साथ काम करके उन्हें काफी मजा आया। अभिनेत्री ने आगे ओटीटी की तारीफ करते हुए कहा कि मौजूदा समय में बहुत सी चीजें बदल चुकी हैं। जो मुद्दे पहले नहीं उठाए जा सकते थे, वे हम ओटीटी के माध्यम से उठा सकते हैं।

ऐसी है फिल्म की कहानी

स्माइली ने फिल्म के कहानी को लेकर कहा कि यह एक रात की कहानी है, जिसमें पुलिस अलबर्ट (ऋतुराज) नाम के शख्स के हत्यारे का पता लगाने के लिए उस घर में मौजूद सभी लोगों से पूछताछ करती है। फिल्म में संजय कपूर इस हत्या के पीछे के रहस्य को सुलझाते हुए नजर आएंगे। वहीं, स्माइली अल्बर्ट की दूसरी पत्नी के रूप में दिखेंगी।

एनिमल ने तृप्ति के करियर में लगाए चार चांद, इन आगामी फिल्मों से मचाएंगी धमाल

साल 2023 के आखिरी महीने में रिलीज हुई फिल्म एनिमल बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। इस फिल्म में कुछ मिनटों का रोल निभाकर तृप्ति डिमरी ने सनसनी मचा दी थी। फिल्म में उनका निभाया गया भाभी 2 का किरदार लोगों को खूब पसंद आया था। इसके बाद वे नेशनल क्रश बन गईं और उनकी लोकप्रियता में गजब का इजाफा देखने को मिला।

यह कहना गलत नहीं होगा कि एनिमल की सफलता का सबसे अधिक फायदा तृप्ति के ही करियर को पहुंचा है। मौजूदा समय में वे एक से बढ़कर एक प्रोजेक्ट में काम कर रही हैं।

धड़क 2

हाल ही में धर्मा प्रोडक्शन ने फिल्म धड़क 2 का एलान किया है। फिल्म का छोटा सा प्रोमो जारी करते हुए निर्माताओं ने यह जानकारी दी थी कि इसमें तृप्ति डिमरी और सिद्धांत चतुर्वेदी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन शाजिया इकबाल कर रही हैं। यह फिल्म 22 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है।

बैड न्यूज

गुड न्यूज के बाद धर्मा प्रोडक्शन जल्द ही बैड न्यूज लेकर आने वाली है। फिल्म की स्टारकास्ट की बात करें तो इसमें विक्की कौशल और एमी विर्क मुख्य भूमिकाओं में हैं। वहीं, तृप्ति फिल्म में मुख्य अभिनेत्री के रूप में काम किया है। यह फिल्म 19 जुलाई को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होगी।

भूल भुलैया 3

अनीस बज्मी के निर्देशन में बन रही फिल्म भूल भुलैया 3 का लोगों को लंबे समय से इंतजार है। फिल्म में कार्तिक आर्यन एक बार फिर से रूह बाबा बनकर लोगों को हंसाते नजर आने वाले हैं। वहीं, इस फिल्म में तृप्ति डिमरी भी नजर आएंगी। कुछ ही समय पहले फिल्म के एक पोस्टर में वे नजर आई थीं।

एनिमल पार्क

एनिमल के बाद एनिमल पार्क का भी एलान हो चुका है। संदीप रेड्डी वंगा के निर्देशन में बनने जा रही है इस फिल्म को लेकर दर्शकों में जबर्दस्त उत्साह है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में तृप्ति भी अहम भूमिका में दिखेंगी। फिलहाल यह फिल्म अभी प्री प्रोडक्शन के चरण में है।

मैं अपनी आत्मा से अमीर होना चाहती हूं

बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री जान्हवी कपूर इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। वे अपनी आगामी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही के प्रमोशन में जी-जान से जुटी हुई हैं। इस फिल्म में अभिनेता राजकुमार राव के साथ नजर आने वाली हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने मिस्टर एंड मिसेज माही के अलावा अपनी जिंदगी के बारे में भी खुलकर बातें करती नजर आई।

जान्हवी कपूर बॉलीवुड की दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी और निर्माता बोनी कपूर की लाडली बेटी हैं। अपनी जिंदगी के बारे में बात करते हुए जान्हवी कहती हैं, मैं खुद को खुशनसीब मानती हूं कि मुझे इतनी आरमदायक जिंदगी मिली है। मेरे माता-पिता ने मुझे हर लग्जरी देने की कोशिश की है, लेकिन अब मैं अपने अस्तित्व को खुद से तलाशना चाहती हूं।

जान्हवी कपूर आगे कहती हैं, मैं अपनी आत्मा से अमीर होना चाहती हूं। मुझे खोखले अस्तित्व से परेशानी होती है। मुझे पूरी जिंदगी मॉम-डैड ने दुनिया की हर तकलीफ से बचा कर रखा, लेकिन अब मैं जिंदगी की सच्चाई को जानना और समझना चाहती हूं।

अपनी लग्जरी लाइफ के बारे में बात करते हुए जान्हवी कहती हैं, मॉम हमेशा कहती थीं कि उन्होंने काफी मेहनत किया है और वे हर सुख-सुविधा हम दोनों बहनों को देना चाहती थीं। इसमें कुछ गलत नहीं है, लेकिन अब मैं जिंदगी को अनुभव करना चाहती हूं। मैं अपने अनुभवों से खुद को समृद्ध करना चाहती हूं।

जान्हवी कपूर अपनी बातों को जारी रखते हुए कहती हैं, मैं अब ऐसी फिल्में करना चाहती हूं जो मेरे कंफर्ट जॉन से बाहर की हों। मैं चैलेंजिग किरदारों के लिए खुद को तैयार कर रही हूं। मुझे बहुत अजीब लगता है जब लोग अपनी जिंदगी को लेकर जिज्ञासा नहीं रखते हैं या वे कुछ नया नहीं सीखने कोशिश करते हैं।

कर्मा कॉलिंग के लिए रवीना को मिला इंटरनेशनल आइकॉनिक अवार्ड

बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। आज भी उनकी खूबसूरती और शानदार अभिनय के लोग दीवाने हैं।

रवीना टंडन ने कर्मा कॉलिंग से इंडस्ट्री में अपना कमबैक किया है। अभिनेत्री को अब कर्मा कॉलिंग के लिए इंटरनेशनल आइकॉनिक अवार्ड मिला है। उन्होंने तस्वीर साझा कर अवार्ड के लिए पूरी टीम का धन्यवाद किया है। रवीना ने लिखा, आपके प्यार और समर्थन के लिए कर्मा कॉलिंग की टीम और क्रू को धन्यवाद।

एक्ट्रेस होने से थोड़ा टफ है बिजनेसवुमन होना

एक्ट्रेस या बिजनेसवुमन में से क्या ज्यादा मुश्किल क्या है, इस सवाल का जवाब देते हुए सोनाक्षी ने कहा, मुझे लगता है कि एक्टिंग मेरे खून में बसा है। मैंने हमेशा सब कुछ चलते-फिरते सीखा है। लेकिन मुझे कभी भी कुछ भी करने में अनकंफर्टेबल महसूस नहीं हुआ। एक एंटरप्रेन्योर के तौर पर, यह बहुत ही नया है। मैं बिजनेस में शुरू से सब कुछ सीख रही हूं, जितना हो सके उतना इसमें शामिल हो रही हूं। यह मेरे लिए कुछ हटके है। मुझे यह वाकई पसंद आ रहा है। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए एक्टिंग से थोड़ा टफ है, क्योंकि इससे मैं पहले कभी नहीं जुड़ी। एक्ट्रेस ने कहा, मैं बिजनेस में बहुत सी चीजें सीख रही हूं और मुझे लगता है कि मैं इसमें काफी अच्छा कर रही हूं। पर्सनल लाइफ के बारे में बात करें तो सोनाक्षी को म्यूजिक सुनना बहुत पसंद है। उन्होंने बताया कि उनकी प्लेलिस्ट में कई तरह के सॉन्ग हैं।

सोनाक्षी ने कहा, मुझे म्यूजिक सुनना बेहद पसंद है। आप हिंदी फिल्मी गानों से लेकर पंजाबी म्यूजिक और हाउस म्यूजिक तक कुछ भी पा सकते हैं। मुझे पर्कशन बहुत पसंद है। मुझे सिर्फ बीट्स वाले इंस्ट्रुमेंटल सॉन्ग पसंद हैं। हालांकि, पंजाबी म्यूजिक उनकी प्लेलिस्ट में सबसे ज्यादा है। एक्ट्रेस ने कहा, यह कुछ ऐसा है जो आपको मेरी प्लेलिस्ट में मिलेगा। यह बहुत ही रैंडम लिस्ट है, लेकिन मैं बहुत सारा पंजाबी म्यूजिक सुनती हूं।

सोनाक्षी सिन्हा की गिनती बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में होती है। उन्होंने हाल ही में संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार को लेकर खूब सुर्खियां बटोरी। उन्होंने फरीदन का बेहतरीन रोल प्ले किया, जिसके लिए उन्हें दर्शकों से खूब सराहना मिली। सोनाक्षी एक्ट्रेस के साथ-साथ एक बिजनेसवुमन भी हैं। वह आर्टिफिशियल नेल ब्रांड सोएजी की मालकिन हैं। एक्सक्लूसिव बातचीत में एक्ट्रेस ने बताया कि बिजनेसवुमन होना एक्ट्रेस होने से थोड़ा टफ है।

हम जमीन से जुड़े हीरो खो चुके हैं, रियल और मेनस्ट्रीम दोनों सिनेमा बनाने हैं

रियलिस्टिक अप्रोच की वेब सीरीज एस्पिरेंट्स और पहली फिल्म एक बंदा काफी है के लिए खूब सराहना बटोरने वाले निर्देशक अपूर्व सिंह कार्की अब उनसे बिल्कुल अलग कमर्शियल मसाला फिल्म भैया जी लेकर आए हैं। यह फिल्म 24 मई को थिएटर्स में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में मनोज बाजपेयी लीड रोल में हैं।

आप नैनीताल में पले-बढ़े हैं। अमूमन नॉर्थ के लड़के हीरो बनने का ख्वाब देखते हैं, आपने डायरेक्टर बनने का कैसे सोचा?

पता नहीं, मुझे बचपन से ही कैमरे का साथ पसंद था। मेरे पापा फॉरेस्ट विभाग में नौकरी करते थे। वो जिम कार्बेट पार्क में काफी साल रहे। तब उनका एक कैमरा था, जिससे मैं जानवरों की फोटो खींचकर एडिट करके लगा देता था। तब से शौक था, जब 12वीं के बाद पापा ने पूछा कि आगे क्या करना है तो मैंने कहा कि फिल्म बनानी है। तब पापा ने कहा कि फिर लगो इसके पीछे, पापा खुद फिल्मों के शौकीन थे तो बहुत सपोर्ट किया, लेकिन ऐसा नहीं है कि चुनौतियां नहीं रहीं। हम सामान्य मिडिल क्लास परिवार से हैं तो संसाधन बहुत सीमित होते हैं। पहली फिल्म डायरेक्ट करने में 14 साल लगे। मुंबई में बड़ा संघर्ष किया लेकिन मैं वो सब नहीं सोचता क्योंकि इसी जर्नी ने मुझे बनाया। जैसे 2009 से 2014 तक मुंबई भी छोड़ दिया था क्योंकि मेरी तबीयत ठीक नहीं थी और पैसा आ नहीं रहा था। तब यूपीएससी की तैयारी करने राजेंद्रनगर, दिल्ली चला गया था, पर उसी का लब्बोलुआब एस्पिरेंट्स में दिखा। तब नहीं पता था कि वह तैयारी मेरी जिंदगी बदलने वाली है।

आपकी पहली फिल्म एक बंदा काफी है की रियलिस्टिक अप्रोच को खूब सराहा गया था, तो उस तरह के सिनेमा के बजाय भैया जी जैसी कमर्शियल मसाला फिल्म बनाने का क्यों सूझा?

मैं हमेशा से इस तरह की फिल्म करना चाहता था। हर इंसान इंडस्ट्री में किसी न किसी उद्देश्य से आता है। कोई हार्ड हिटिंग सिनेमा कहने आता है। मैं हमेशा से मेनस्ट्रीम सिनेमा बनाना चाहता था। बड़े पर्दे पर हीरो की एंट्री देखकर मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं। लोग जब सिनेमाघर में सीटी मारते हैं, कपड़े उछालते हैं तो उसकी बात ही अलग होती है। मैं भी एक ऐसी फिल्म बनाना चाहता था और मनोज सर (मनोज बाजपेयी) को हम बचपन से देखते आ रहे हैं। मैं हैरान होता था कि आज तक उनको ऐसी फिल्म में क्यों नहीं देखा, जबकि यह उनकी सौंवी फिल्म है तो मैंने कहा कि सर, ये आप ही को करना है। मैं बोर हो चुका हूं बाकी लोगों को स्लो मोशन में देख-देखकर और आप जब करोगे तो आप एकदम नए लगेंगे। मनोज सर के पास कहानी थी, वह इसे आर्ट सिनेमा बनाना चाहते थे लेकिन मैंने कहा कि सर, ये मत करो। मैं इसे अपने ढंग से करता हूं और इस तरह फिल्म की शुरुआत हुई।

भैया जी पर साउथ इंडियन सिनेमा की भी छाप है। वैसे, आजकल थिएटर्स में साउथ की फिल्में ही चल रही हैं। क्या भैया जी को उस स्टाइल में बनाने की यही वजह रही?

मैं साउथ इंडियन फिल्मों का बड़ा फैन रहा हूं। बचपन में जब वो टीवी पर डब होकर आती थीं तो मैं खूब देखता था। मैं एकदम खरी कमर्शियल फिल्म बनाना चाहता था, जिसमें गहराई और परफॉर्मेंस में कोई कमी नहीं हो। मैंने एस्पिरेंट या एक बंदा काफी है बनाई, इसका मतलब ये नहीं है कि मैं सिर्फ वैसी ही फिल्में बनाऊंगा। मैं वो भी करूंगा, ये भी करूंगा। मुझे सेफ नहीं खेलना, वरना मैं खुद ही बोर हो जाऊंगा। रही बात, साउथ की फिल्मों ज्यादा चलने की तो समय समय की बात है। ट्रेंड बदलता रहता है। कोरोना के बाद चीजें बदली हैं। ये भी सच है कि हमारे यहां रिलेटबल हीरो मिसिंग हो गए हैं। जमीन से जुड़े हीरो हम खो चुके हैं। अमित जी (अमिताभ बच्चन) की फिल्में हमें इसीलिए पंसद आती थीं क्योंकि वो हमसे जुड़ी हुई थीं। सिंघम, पुष्पा और केजीएफ चलने की भी यह बहुत बड़ी वजह है। आपने दोनों फिल्में मनोज बाजपेयी के साथ कीं।

किसी और एक्टर को डायरेक्ट करने की तमन्ना है?

मैं बचपन में अजय देवगन का बहुत बड़ा फैन रहा हूं। वह कमर्शियल स्टार हैं। वह सिंघम हैं मगर जख्म या द लेजेंड ऑफ भगत सिंह जैसा हार्ड हिटिंग सिनेमा भी कमाल करते हैं तो मैं उनका बहुत ज्यादा बड़ा फैन था। एक टाइम था जब उनकी फिल्मों के टिकट मैं डायरी में लगाता था कि आज उनकी ये फिल्म देख ली।

रूपवास में अवैध अतिक्रमण पर चला 'बाबा का बुल्डोजर'

10 करोड़ कीमत की 5 हजार वर्गमीटर जमीन पर था कब्जा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने रूपवास और बाईपास के पास अतिक्रमण के खिलाफ बुलडोजर चलाकर लगभग 5000 वर्ग

मीटर जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया। जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 10 करोड़ रुपये है।

रूपवास बाईपास के पास स्थित 5000 मीटर जमीन पर कालोनाइजर अवैध कालोनी विकसित करने की कोशिश कर रहे थे। प्राधिकरण के परियोजना विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार के नेतृत्व में वर्क सर्किल दो की टीम ने अतिक्रमण को ढहा कर रास्ते की जमीन खाली करा ली है। टीम ने प्राधिकरण के सुरक्षाकर्मियों की मदद से इन खसरा नंबरों की 5000 वर्ग मीटर जमीन को भी अतिक्रमण से मुक्त करा लिया है। परियोजना विभाग के महाप्रबंधक व ओएसडी हिमांशु वर्मा ने चेतावनी दी है कि प्राधिकरण की अधिसूचित एरिया में जमीन कब्जाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने परियोजना विभाग के सभी वर्क सर्किल प्रभारियों को अपने एरिया में जमीन पर अतिक्रमण रोकने के लिए कड़ी नजर रखने और अतिक्रमण की सूचना मिलते ही कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

प्राधिकरण की एसीईओ अन्नपूर्णा गर्ग ने कहा है कि लोग अवैध रूप से जमीन कब्जा कर काटी जा रही कॉलोनी में अपनी गाढ़ी कमाई न फंसाएं। अगर किसी कॉलोनाइजर से अवैध कॉलोनी में प्लॉट खरीदा है तो रजिस्ट्री का प्रपत्र लेकर पुलिस से शिकायत करें। साथ ही इसकी एक कॉपी प्राधिकरण को भी उपलब्ध कराएं ताकि ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने कहा है कि ग्रेटर नोएडा के अधिसूचित एरिया में किसी भी व्यक्ति को अवैध निर्माण करने की इजाजत नहीं है। ग्रेटर नोएडा में कहीं भी जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से संपर्क कर पूरी जानकारी जरूर प्राप्त कर लें।

दिनदहाड़े हथियारों के बल पर 9 लाख की नकदी लूटी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2 क्षेत्र से हथियारबंद बदमाशों ने दिनदहाड़े एक कलेक्शन एजेंट से मारपीट कर 9 लाख रुपए लूट लिये।

पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि शुक्रवार को संतोष निवासी दिल्ली ग्रेटर नोएडा के थाना बीटा-2 क्षेत्र के साइड-4 में स्थित एक टिंबर व्यापारी के यहां से पैसे का कलेक्शन करके दिल्ली के लिए निकले थे। इसी बीच बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें रोक लिया तथा हथियार के बल पर उसके साथ मारपीट कर उसके पास रखे कलेक्शन के 9 लाख रुपए लूट लिये। उन्होंने बताया कि पीड़ित ने जब विरोध किया तो बदमाशों ने हथियार के बल पर उसे गोली मारने की धमकी दी। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इनामी बदमाश समेत दो वाहन चोर गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 पुलिस ने दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके

कब्जे से देसी तमंचा, कारतूस और चाकू बरामद किये हैं। एक बदमाश की गिरफ्तारी पर पुलिस उपायुक्त जोन प्रथम विद्यासागर मिश्रा द्वारा 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था।

अपर पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) मनीष मिश्र ने बताया कि बीती रात को एक सूचना का आधार पर थाना पुलिस ने दीपक दनकौरिया तथा अतुल कुमार को सदरपुर कॉलोनी के पास से गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने एक देसी तमंचा, कारतूस तथा चाकू बरामद किया है।

दीपक के ऊपर पूर्व में करीब 20 मुकदमे दर्ज हैं। इसके कुछ साथियों को थाना सेक्टर 39 पुलिस ने पूर्व में गिरफ्तार किया था, जिनके पास से 6 लग्जरी कारें बरामद हुई थी। दीपक तभी से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

मंडलायुक्त ने मतगणना की तैयारियों का लिया जायजा

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद गौतमबुद्धनगर में आगामी 4 जून को होने वाली मतगणना को लेकर

जिला प्रशासन तैयारियों में जुटा हुआ है। मतगणना को लेकर की जा रही तैयारियों का मंडल आयुक्त मेरठ सेल्वा कुमारी जे ने मतगणना स्थल फूल मंडी फेस-2 नोएडा में पहुंचकर तैयारियों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि तैयारियों में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। मतगणना स्थल पर पेयजल, विद्युत, स्वच्छता, शौचालय, बैरिकेडिंग, सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुदृढ़ करा ली जाए। साथ ही उन्होंने स्ट्रांग रूम, सीसीटीवी मॉनिटरिंग कक्ष का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि सीसीटीवी मॉनिटरिंग टीम के द्वारा निरंतर सीसीटीवी स्क्रीन की भारत निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुरूप विशेष निगरानी की जा रही है। निरीक्षण के दौरान मंडल आयुक्त ने फूल मंडी फेस-2 में तैनात सुरक्षा बलों से सुरक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल कुमार, डिप्टी कलेक्टर अनुज नेहरा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रिकॉर्ड मतों से जीतेंगे डा. महेश शर्मा : प्रवेश चौहान

नोएडा। गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी

तीसरी बार रिकार्ड मतों के अंतर से जीत हासिल करेंगे। यह दावा किया भारतीय जनता पार्टी शहरी विकास मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष प्रवेश चौहान ने। श्री चौहान ने बताया कि इस चुनाव में जनता मोदी सरकार की उपलब्धियों तथा विकास कार्यों को देखकर अपना भरपूर समर्थन दे रही है। इसलिए डा. महेश शर्मा की रिकार्ड मतों से जीत तय है। सेकटर-93

विधायक पंकज सिंह व अध्यक्ष मनोज गुप्ता की टीम ने प्रचार में झोंकी ताकत

स्थित एक्सप्रेस व्यू अपार्टमेंट आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष प्रवेश चौहान ने बताया कि इस चुनाव में भाजपा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, महामंत्री उमेश त्यागी, गणेश जाटव समेत समूची टीम ने रातदिन मेहनत करके चुनाव प्रचार किया है। वहीं नोएडा के विधायक पंकज सिंह ने भी प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी। इसका सुखद परिणाम 4 जून को निकलेगा। इस बार गौतमबुद्धनगर में सर्वाधित मतों के अंतर से कमल खिलेगा तथा डा. महेश शर्मा भारी मतों से विजयी होंगे।

सेक्टर-10 में खुला नवरत्न फाउंडेशन्स का 11वां शिक्षण केन्द्र

नोएडा (चेतना मंच)। नवरत्न फाउंडेशन्स ने सेक्टर-10 में अपना 11वां कंप्यूटर शिक्षण केंद्र- पेट्रोनेट दिव्यतरंग कंप्यूटर शिक्षण केंद्र का शुभारम्भ किया है। 15 कंप्यूटर

से युक्त यह केंद्र पेट्रोनेट एल एन जी लिमिटेड कंपनी के सी एस आर के तहत ही खोला गया है। इसमें 'दिव्य तरंग एजुकेयर फाउंडेशन' का भी अहम योगदान है।

इस केंद्र का विधिवत उद्घाटन पेट्रोनेट के सी एस आर प्रबंधक दिपांजन बंदोपाध्याय के कर कमलों से हुआ। इस अवसर पर नवरत्न की ट्रस्टी श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव, महासचिव ए.वी मुरलीधरन, कुलदीप शर्मा, प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य डी.के. परसाई, राजेश कात्याल, इन्फोटेक सलूशन के संतोष कुमार, अजय मिश्रा, राकेश यादव, अमितेन्द्र द्विवेदी के साथ दिव्यतरंग के संस्थापक विक्की यादव, ममता अधिकारी एवं नीतू भंडारी, सचिन, ममता शर्मा भी उपस्थित हुए थे।

ई- रिक्शा बैटरी बनाने वाली कंपनी में लगी आग

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के सेक्टर-63 में स्थित ई -रिक्शा की बैटरी बनाने वाली कंपनी में आग लग गई। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि शुक्रवार की शाम को सेक्टर 63 के एच-111 स्थित इनवर्टेड एनर्जी नाम की कंपनी में आग लग गई। इस कंपनी में ई-रिक्शा की बैटरी बनाने का काम होता है। उन्होंने बताया कि आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की चार गाड़ियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं है। इस घटना के चलते फैक्ट्री में काम करने वाले लोगों में काफी देर तक दहशत का माहौल रहा। आसपास की फैक्ट्री के लोग भी अपनी-अपनी फैक्ट्री से निकलकर बाहर आ गए।

SAHARA BUILDER & PROPERTIES™
ISO 9001:2008
PROPERTIES AVAILABLE FOR SALE IN GREATER NOIDA

RESIDENTIAL

S.No	Plot Size	House No./Block	Price	Other Details
1	300 Sq.mtr	C-291, Sigma - 02	92 Lakh	Completion, S/W
2	200 Sq.mtr	G-660, Alpha - 02	1.25 Cr.	Completion,N/E & 18 MTR Road
3	60 Sq.mtr	G-439, Gamma - 02	52 Lakh	Single Story, Corner(18X12),N/E
4	1265 Sq.ft	Silver City - 02, PI-1	55 Lakh	2+1 BHK Apartment
5	29.76 Sq.ft	3TF/Block-60, Sector - 10	9 Lakh	1 BHK, Top Floor
6	2450 Sq.ft	Royal Apartment(Duplex), Sigma - 04	On Request	4BHK, Low rise, Lift
7	237 Sq.mtr	C-363, Sector - 03(EXTN)	1.40 Cr.	50% Completion, Corner, N/ W
8	110 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
9	131 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
10	930 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	14000/Sq.Mtr.	Corner Plot

COMMERCIAL

S.No	Shop Size	Complex Address	Price	Other Details
1	29.5 Sq.mtr	Block - C, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, Corner, N/E
2	463 Sq.ft	NQI Plaza, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, N/E
3	19.5 Sq.mtr	Kadamba Shopping Complex, Gamma -01	40 Lakh	G.Floor, N/W
4	8.15 Sq.mtr	Kiosk, P-3	22 Lakh	24 Mtr Road, N/W

CONTACT US : +919810441077, +919710441077
Add- Office No. 205, Sunrise Tower, Alpha 1
Commercial Belt, Gr.Noida, G.B.Nagar, U.P-2010308

नोडल अधिकारियों को दिये आवश्यक निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। आगामी 4 जून को फूल मंडी फेस 2 नोएडा में आयोजित होने वाली मतगणना की तैयारियों को लेकर उप जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल कुमार ने कलेक्ट्रेट सभागार में मतगणना की व्यवस्था हेतु नियुक्त किए गए नोडल अधिकारियों के साथ बैठ की।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि बढ़ते तापमान को देखते हुए समयान्तराल में सभी मूलभूत व्यवस्थाओं को सकुशल ढंग से पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाए। मतगणना स्थल पर सुरक्षा के मद्देनजर वाहन प्रवेश प्रतिबंधित रहेंगे सिर्फ आब्जर्वरों के वाहन ही मतगणना स्थल तक जायेंगे। इसके साथ ही मतगणना स्थल पर साफ—सफाई, पीने के पानी व मतगणना के कार्य में लगे कार्मिकों के लिए भोजन की व्यवस्था, विद्युत, प्रकाश, टेन्ट, कुर्सियों,

फर्नीचर सहित कूलर, पंखा आदि की भी उचित व्यवस्था होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए की मतगणना स्थल पर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कम्युनिकेशन सेंटर, पब्लिक कम्युनिकेशन सेंटर एवं मीडिया सेंटर बनाते हुए उनमें सभी आवश्यक व्यवस्थाएं तथा सुविधा समय रहते सुनिश्चित कर दी जाए।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए की मतगणना दिवस से पहले मीडिया में एडवाइजरी जारी करा दी जाएगी कि फूल मंडी के किस गेट से एंट्री होगी और कहां पर पार्किंग व्यवस्था की गई है, इसकी सूचना पहले से ही राजनीतिक पार्टियों, उम्मीदवारों, अभिकर्ताओं तथा मीडिया बन्धुओं को दे दी जाए, ताकि मतगणना के दिन किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि उम्मीदवारों, अभिकर्ताओं, मीडिया बन्धुओं तथा मतगणना कार्मिकों को जो पास जारी किए जाएं उनका एक नमूना पहले से ही पुलिस को भी उपलब्ध करा दिया जाए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी भू0आ0 बच्चू सिंह, डिप्टी कलेक्टर अनुज नेहरा, चारूल यादव, समस्त उप जिलाधिकारी/ए.आर.ओ. सहित समस्त नोडल अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मतगणना को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ बैठक, दी जरूरी जानकारी

नोएडा (चेतना मंच)। 4 जून 2024 को फूल मंडी फेस-2 नोएडा में मतगणना की जाएगी। आगामी 04 जून 2024 को होने वाली मतगणना को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्ट्रेट सभागार में उप जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल कुमार ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवारों के साथ बैठक की।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि फूल मंडी फेस-2 नोएडा में नोएडा, दादरी एवं जेवर विधानसभा की ईवीएम मशीनों में पड़े मतों एवं लोकसभा क्षेत्र की पांचो विधानसभाओं के डाक मत पत्र एवं ईटीपीबी के मतों की गणना की जाएगी, जबकि विधानसभा सिकंदराबाद एवं खुर्जा के ईवीएम में पड़े मतों की गणना नवीन मंडी अनूपशहर रोड बुलंदशहर में बनाए गए मतगणना स्थल पर होगी।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतगणना 04 जून 2024 को सुबह 8:00 बजे से प्रारंभ होगी और कार्य समाप्ति तक की जाएगी। उन्होंने बताया कि विधानसभा नोएडा एवं दादरी में काउंटिंग टेबल की संख्या 14 से बढ़ाकर 21 की गई है तथा विधानसभा जेवर, सिकंदराबाद एवं खुर्जा में काउंटिंग टेबल की संख्या 14 ही रहेगी तथा प्रत्येक विधानसभा में 01 टेबल सहायक रिटर्निंग ऑफिसर की लगाई जाएगी। उन्होंने बताया ई.टी.पी.बी. की प्रारंभिक गणना/प्री काउंटिंग हेतु क्यूआर कोड स्कैनर के माध्यम से स्कैनिंग किए जाने हेतु 13 टेबल से बढ़ाकर 18 किया गया है तथा समस्त डाक मतपत्रों की गणना हेतु 10 टेबल लगाई जाएगी। मतगणना से 72 घंटे पूर्व जनपद में कंट्रोल रूम 1950 सक्रिय हो जाएगा, जिस पर कॉल करके किसी भी समस्या या शिकायत का निवारण कराया जा सकता है।

बैठक में सभी राजनीतिक दल के प्रतिनिधिगण, समस्त ए.आर.ओ. तथा संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

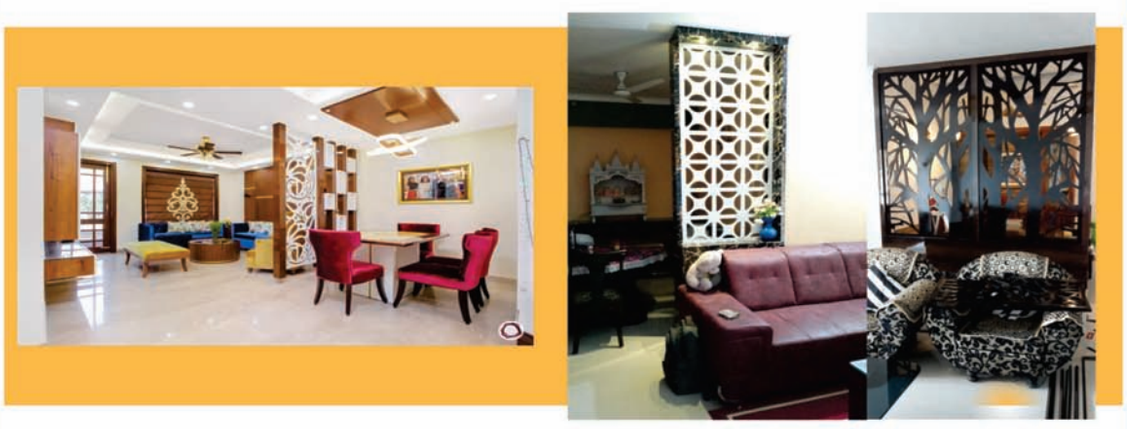

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com